Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवन्बद में प्रसारित

दैनिक गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 72 | मंगलवार, 17 मार्च-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

एलपीजी संकट पर सड़क पर उतरीं ममता बनर्जी, बोलीं- मोदी सरकार की नाकामी से यह संकट

वेलकम इंडिया नेटवर्क

बंगाल। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कोलकाता में एलपीजी की कथित कमी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और केंद्र सरकार पर पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने में विफल रहने का आरोप लगाया। रैली का नेतृत्व करने के लिए बनर्जी कॉलेज स्क्वायर पहुंचीं और यह रैली डोरिना क्रॉसिंग की ओर बढ़ी। एलपीजी की कमी के खिलाफ प्रदर्शन के रूप में आयोजित इस मार्च को बंगाल के लोगों के अधिकारों और गरिमा के लिए एक एकजुट आंदोलन के रूप में प्रस्तुत किया गया। तृणमूल कांग्रेस ने लोगों से मार्च में शामिल होने का आ'ान करते हुए समर्थकों से ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली रैली में भाग लेने और न्याय के लिए सामूहिक आवाज का हिस्सा बनने का आग्रह किया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की बढ़ती कमी के लिए नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। उनका आरोप है कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण ऊर्जा आपूर्ति में आई बाधाओं के बीच प्रतिबंध लगाने से पहले सरकार खाना पकाने की गैस और पेट्रोलियम उत्पादों का पर्याप्त भंडार बनाने में विफल रही। 11 मार्च को एक बंगाली समाचार चैनल से बात करते हुए बनर्जी ने कहा कि अगर केंद्र सरकार ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं में संभावित बाधाओं के लिए पहले से योजना बनाई होती तो इस स्थिति से बचा जा सकता था। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को पहले एलपीजी, तेल और गैस का पर्याप्त भंडार सुनिश्चित करना चाहिए था। इसके बिना, संकट से निपटने के लिए उचित योजना के बिना प्रतिबंध लगा दिए गए हैं। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के कारण एलपीजी की कमी हो रही है, जिससे वैश्विक ईंधन शिपमेंट और आपूर्ति मार्गों पर असर पड़ना शुरू हो गया है। भारत अपनी एलपीजी की मांग को पूरा करने के लिए आयात पर बहुत अधिक निर्भर है, जिसका एक बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों से आता है।

संसद भवन के गेट पर अचानक बजने लगा सायरन, कुछ देर के लिए रोकी गईं गाड़ियां, मची अफरा-तफरी

वेलकम इंडिया नेटवर्क

नई दिल्ली। देश की सबसे सुरक्षित इमारतों में से एक संसद परिसर में आज अचानक सुरक्षा सायरन बजने से हड़कंप मच गया। सुरक्षा से जुड़े सूत्रों ने इस घटना की जानकारी दी है। यह घटना उस समय हुई जब संसद के एंट्री गेट पर लगा एक बूम बैरियर अचानक नीचे गिर गया। बैरियर के गिरते ही वहां लगा ऑटोमैटिक सुरक्षा सायरन जोर-जोर से बजने लगा। सायरन की आवाज सुनते ही वहां तैनात सुरक्षाकर्मी तुरंत अलर्ट हो गए। सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए अधिकारियों ने फौरन संसद परिसर में गाड़ियों के आने-जाने पर रोक लगा दी। अचानक एंट्री रुकने से गेट के बाहर गाड़ियों की कतार लग गई और कुछ देर के लिए वहां अफरा-तफरी जैसा माहौल बन गया। सुरक्षा टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर पूरे मामले की जांच की। सायरन बजने के बाद इसलिए भी हलचल तेज हो गई क्योंकि मौके पर संसद में बजट सत्र चल रहा है। ऐसा माना जा रहा है कि तेज हवा के दबाव की वजह से बैरियर अचानक गिर गया होगा। इसके बाद दफ्ळ अपनी जगह वापस लौट गई और कुछ देर के लिए रुकी गाड़ियों की आवाजाही फिर से शुरू कर दी गई। हालांकि अधिकारी अब इस बात की जांच कर रहे हैं कि बैरियर गिरने की असली वजह क्या थी। एक संभावना यह भी जताई जा रही है कि शायद सिस्टम वहां से गुजर रही किसी कार का एंट्री स्टिकर सही से पढ़ नहीं पाया, जिससे बैरियर अपने आप नीचे आ गया।

आंध्र प्रदेश में मैकेनिक में मैकेनिक की एक सलाह बनी काल, बाइक का इंजन चालू रखने से खत्म हुआ पूरा परिवार

वेलकम इंडिया नेटवर्क

आंध्र प्रदेश। आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में रविवार को एक दोपहिया वाहन की सामान्य मरम्मत के चक्कर में एक परिवार के चार सदस्यों की जान चली गई। पुंगनूर कस्बे के त्यागराजू स्ट्रीट में रहने वाले इस परिवार ने हाल ही में अपने दोपहिया वाहन का इंजन ठीक करवाया था। स्थानीय मैकेनिक ने परिवार को सलाह दी थी कि नए पुर्जों को ठीक से सेट करने के लिए इंजन को रात भर चालू रखें।

लेकिन यही सलाह परिवार के लिए घातक साबित हुई। मैकेनिक के सुझाव पर परिवार ने इंजन चालू ही छोड़ दिया। स्थिति को और भी बदतर बनाने के लिए, उन्होंने बाइक को अपने घर के अंदर पार्क किया और अपने कम हवादार घर की खिड़कियां और दरवाजे बंद कर दिए। इंजन से निकलने वाले धुएं को जब कहीं निकलने की जगह नहीं मिली, तो कार्बन मोनोऑक्साइड एक रंगहीन, गंधहीन लेकिन जानलेवा गैस उस कमरे में भर गई जहाँ परिवार सो रहा था। दंपति और उनके दो बच्चों की दम घुटने से मौत हो गई। जब चिंतित पड़ोसियों ने स्थानीय पुलिस को फोन किया, तो उन्होंने दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया और परिवार के चारों सदस्यों को मृत पाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और घटना की जांच कर रही है। आंध्र प्रदेश की यह त्रासदी इस बात की याद दिलाती है कि बंद जगहों में वाहन इंजन या जनरेटर जैसी मशीनों का संचालन खतरनाक हो सकता है।

WeWork India IPO को सुप्रीम कोर्ट से मिली क्लीन चिट, याचिकाकताओं को लगा बड़ा झटका

वेलकम इंडिया नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने वीवर्क इंडिया के प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव (आईपीओ) को चुनौती देने वाली विशेष अनुमति याचिका को प्रवेश चरण में ही खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक आराधे की पीठ ने बॉम्बे उच्च न्यायालय के 1 दिसंबर, 2025 के फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया, जिसमें पहले हेमंत कुलश्रेष्ठ और विनय बंसल द्वारा सार्वजनिक प्रस्ताव को चुनौती देने वाली अलग-अलग रिट याचिकाओं को खारिज कर दिया गया था। सर्वोच्च न्यायालय में अपील हेमंत कुलश्रेष्ठ ने दायर की थी। सुनवाई के दौरान, याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने तर्क दिया कि कंपनी ने कथित तौर पर अपने प्रमोटरों से संबंधित कुछ आपराधिक कार्यवाही को प्रस्ताव दस्तावेजों में उजागर नहीं किया था।

याचिका का विरोध करते हुए, वीवर्क इंडिया की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता डेरियस खंबाटा ने कहा कि भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (एसईबीआई), वैधानिक नियामक के रूप में, विशेषज्ञ नियामक प्राधिकरण के रूप में अपनी क्षमता के अनुसार प्रस्ताव दस्तावेजों की जांच और अनुमोदन कर चुका है। दलीलें सुनने के बाद, न्यायालय ने अपील खारिज कर दी। 1 दिसंबर, 2025 को अपने पूर्व फैसले में, बॉम्बे उच्च न्यायालय ने आईपीओ प्रक्रिया को चुनौती देने वाली रिट याचिकाओं को खारिज कर दिया था।

उच्च न्यायालय ने याचिकाकताओं में से एक, विनय बंसल पर 1 लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया था और यह दर्ज किया था कि कुछ महत्वपूर्ण तथ्य न्यायालय के समक्ष प्रकट नहीं किए गए थे, जिनमें कंपनी द्वारा उन शिकायतों के जवाब भी शामिल थे जो चुनौती का आधार थीं।

न्यायालय ने यह भी टिप्पणी की थी कि याचिकाकताओं के आचरण से उनकी सत्यनिष्ठा पर संदेह पैदा होता है। न्यायालय के रिकॉर्ड से पता चलता है कि उच्च न्यायालय में याचिकाएं 30 सितंबर, 2025 को आईपीओ खुलने से कुछ समय पहले दायर की गई थीं, हालांकि मसौदा प्रॉस्पेक्टस कई महीनों से सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध था। दोनों में से कोई भी याचिकाकर्ता सार्वजनिक पेशकश में निवेशक नहीं था।

आईपीओ बंद होने के बाद ऋषभ अग्रवाल द्वारा दायर की गई एक अलग याचिका को बाद में बॉम्बे उच्च न्यायालय में बिना शर्त वापस ले लिया गया और उन्हें नई याचिका दायर करने की अनुमति नहीं दी गई।

यह याचिका स्टर्लिंग एंड विल्सन रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड द्वारा दायर शिकायतों पर आधारित थी, जो एम्बेसी ग्रुप की एक अन्य कंपनी के साथ अलग वाणिज्यिक मुकदमे में शामिल है। सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद, वीवर्क इंडिया के एक प्रवक्ता ने कहा कि न्यायालय ने पहली सुनवाई में अपील खारिज कर दी और कंपनी की ओर से प्रस्तुत इस बात को स्वीकार कर लिया कि एसईबीआई ने विशेषज्ञ नियामक प्राधिकरण के रूप में अपनी क्षमता के अनुसार प्रस्ताव दस्तावेजों की जांच और अनुमोदन किया था। प्रवक्ता ने कहा कि याचिकाकर्ता को कोई राहत नहीं दी गई और इस आदेश के साथ हेमंत कुलश्रेष्ठ द्वारा कंपनी के सार्वजनिक प्रस्ताव को दी गई अंतिम चुनौती भी समाप्त हो गई है।

प्रवक्ता ने आगे कहा कि कंपनी ने पहले बॉम्बे उच्च न्यायालय के उस फैसले का स्वागत किया था जिसमें कुलश्रेष्ठ और बंसल द्वारा दायर याचिकाओं को खारिज कर दिया गया था, यह देखते हुए कि उच्च न्यायालय ने महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाने के संबंध में निष्कर्ष दर्ज किए थे और याचिकाकताओं में से एक पर जुमार्ना लगाया था। बयान के अनुसार, पहली सुनवाई में ही सुप्रीम कोर्ट द्वारा अपील को खारिज करने से यह बात पुष्ट होती है कि प्रस्ताव दस्तावेजों में लागू नियमों के अनुपालन में आवश्यक खुलासे शामिल थे।

द्रमुक बनाम अन्नाद्रमुक जंग के बीच विजय की एंट्री; स्टालिन ने बिछाई मजबूत बिसात

वेलकम इंडिया नेटवर्क

नई दिल्ली। दशकों से जारी द्रमुक बनाम अन्नाद्रमुक की जंग के बीच नई पार्टियों के उदय ने तमिलनाडु की सियासत में संभावनाओं का बीज बोया है। पहले ही 8 दलों के गठबंधन का नेतृत्व कर रहे द्रमुक प्रमुख और सीएम एमके स्टालिन ने अन्नाद्रमुक से जुड़े पूर्व सीएम पन्नीर सेल्वम को पार्टी में शामिल करने के अलावा डीएमडीके से हाथ मिलाकर विपक्ष को करारा झटका दिया है। हालांकि सर्वाधिक चर्चा अभिनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) की हैं। भाजपा ने विजय को 80 सीटें और डिप्टी सीएम पद का प्रस्ताव दिया है। हालांकि इस प्रस्ताव पर टीवीके में आम राय नहीं है। वहीं, दूसरी ओर जयललिता के निधन के बाद अन्नाद्रमुक आपसी खींचतान में लगातार उलझी रही है। पन्नीर सेल्वम के डीएमके में जाने के अलावा जयललिता की करीबी रहीं शशिकला ने नई पार्टी का गठन कर अन्नाद्रमुक प्रमुख ई. पलानीस्वामी और पार्टी की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। युवाओं में खासे लोकप्रिय अभिनेता विजय के चुनाव परिणाम पर पड़ने वाले असर पर कई तरह की चर्चा हैं। एक वर्ग का मानना है कि विजय सत्ता विरोधी मतों में बंटवारा कर अन्नाद्रुमक की मुश्किलें बढ़ाएंगे। हालांकि दूसरे पक्ष का मानना है कि ईसाई समुदाय के विजय सत्तारूढ़ द्रमुक के लिए मुश्किलें खड़ी करेंगे। चुनाव आयोग ने तमिलनाडु की 234 सीटों के लिए विधानसभा चुनाव की तारीखों का एलान कर दिया है। राज्य में 23 अप्रैल को वोटिंग होगी, जबकि 4 मई को नतीजे घोषित किए जाएंगे।

तमिलनाडु में विधानसभा का कार्यकाल 10 मई 2026 को खत्म हो रहा है। राज्य में पिछली बार चुनाव 6 अप्रैल 2021 को कराए गए थे।

चुनाव तारीखों पर प्रियंका गांधी का चुनाव आयोग पर निशाना, बीजेपी की सुविधा का रखा गया ध्यान

वेलकम इंडिया नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को कहा कि चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनावों का कार्यक्रम भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सुविधा के अनुसार बनाया गया है। केरल के वायनाड निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस की लोकसभा सांसद ने कहा कि मुझे लगता है कि चुनावों की घोषित तिथियां और निर्धारित चरण भाजपा की सुविधा के अनुसार तय किए जाते हैं। केरल और तीन अन्य राज्यों - पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम और पुडुचेरी केंद्र शासित प्रदेश में 2026 में होने वाले विधानसभा चुनावों की तिथियों की घोषणा चुनाव आयोग ने कल की थी। रविवार को राष्ट्रीय राजधानी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने विधानसभा चुनावों को गर्व का त्योहार बताया और पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं से उत्साहपूर्वक भाग लेने का आग्रह किया। इन चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में मतदाता सूचियों का गहन संशोधन किया जा चुका है और अंतिम मतदाता सूचियां प्रकाशित हो चुकी हैं। पश्चिम बंगाल में मतदान दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होगा।

कटक के एससीबी मेडिकल कॉलेज में भीषण आग का तांडव: 10 मरीजों की मौत, शॉर्ट सर्किट की आशंका

वेलकम इंडिया नेटवर्क

ओडिशा। ओडिशा के प्रतिष्ठित रउइ मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के ट्रॉमा केयर सेंटर में सोमवार तड़के करीब 3:00 बजे भीषण आग लग गई। इस दुखद हादसे में अब तक 10 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें से अधिकांश ट्रॉमा केयर क्ठ्ठव में भर्ती मरीज थे। बचाव कार्य के दौरान अस्पताल के 11 कर्मचारी भी झुलस गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार तड़के कटक में ओडिशा सरकार द्वारा संचालित SCB मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के ट्रॉमा केयर सेंटर में भीषण आग लगने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। मरीजों को सुरक्षित निकालने की कोशिश में अस्पताल के करीब 11 कर्मचारी झुलस गए। खबरों के मुताबिक, यह घटना सुबह करीब 3:00 बजे हुई, जब अस्पताल के ट्रॉमा केयर विभाग की पहली मंजिल पर अचानक आग लग गई। बताया जा रहा है कि मरने वालों में ज्यादातर वे मरीज थे जो ट्रॉमा केयर ICU में भर्ती थे।

आग लगते ही, अस्पताल का फायर सेफ्टी सिस्टम एक्टिवेट हो गया और अस्पताल के अग्निशमन विभाग ने तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी। आग पर काबू पाने के लिए घटनास्थल पर तुरंत तीन दमकल गाड़ियां भेजी गईं। दमकलकर्मियों ने आग बुझाने के लिए अथक प्रयास किया। इस दौरान अस्पताल के अंदर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और मरीजों के परिजन घबराकर इधर-उधर भागने लगे।

हालात को देखते हुए, अग्निशमन सेवा के अधिकारियों ने अस्पताल के कर्मचारियों, पुलिस और मरीजों के तीमारदारों के साथ मिलकर क्ठ्ठव में इलाज करा रहे मरीजों को बचाया और उन्हें SCB अस्पताल के दूसरे विभागों में शिफ्ट कर दिया; SCB अस्पताल ओडिशा की एक प्रमुख सरकारी चिकित्सा सुविधा है। गंभीर हालत वाले मरीजों को अस्पताल के 'न्यू मेडिसिन ICU' में ट्रांसफर कर दिया गया।

खबर मिलते ही, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, स्वास्थ्य मंत्री मुकेश महालिंग के साथ, घटनास्थल पर हालात का जायजा लेने के लिए तुरंत अस्पताल पहुंचे। उन्होंने स्थिति की समीक्षा की और उन मरीजों से मुलाकात की जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है।

मीडियाकर्मियों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि SCB मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में शॉर्ट सर्किट की आशंका के चलते भीषण आग लग गई। उन्होंने बताया कि इससे ट्रॉमा केयर ICU और उससे सटे ICU और वार्ड प्रभावित हुए। माझी ने कहा, 'कुल 23 मरीजों को दूसरे विभागों में शिफ्ट किया गया है। सात गंभीर मरीजों की मौत दूसरे ICU और वार्ड में शिफ्ट करते समय हो गई, जबकि तीन अन्य लोगों की मौत बाद में हुई।' उन्होंने कहा, 'मैंने संबंधित अधिकारियों को घायल मरीजों के उचित इलाज के निर्देश दिए हैं।' मुख्यमंत्री ने हर मृतक के परिजनों के लिए 25 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। कई वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी—जिनमें स्वास्थ्य सचिव, कटक के ज़िला कलेक्टर और DCP शामिल हैं—अभी घटनास्थल पर मौजूद हैं। प्रशासन द्वारा राहत और बचाव कार्य तेजी से चलाए जा रहे हैं। अभी तक आग लगने का सही कारण स्पष्ट नहीं है, और घटना के बारे में विस्तृत जानकारी का इंतजार है। इस दुखद घटना ने पूरे इलाके में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है और अस्पताल के सुरक्षा नियमों को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ओडिशा के एक अस्पताल में आग लगने की घटना में हुई जानमाल की हानि पर शोक व्यक्त किया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। मुर्मू ने पर एक पोस्ट में कहा, 'ओडिशा के कटक में एक अस्पताल में आग लगने की दुखद घटना में हुई जानमाल की हानि से मैं बहुत दुखी हूँ। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएँ। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूँ।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी जानमाल की हानि पर दुख व्यक्त किया और 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। PMO ने पर एक पोस्ट में कहा, 'ओडिशा के कटक में एक अस्पताल में हुई दुर्घटना बहुत ही दुखद है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएँ। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूँ। PMNRF से हर मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएँगे।'

संपादक की कलम से

साझा चूल्हा: संकट से समाधान की राह

रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों को लेकर समय-समय पर देश में राजनीतिक बहस तेज हो जाती है। विपक्ष इसे आम आदमी पर बढ़ते आर्थिक बोझ के रूप में उठाता है, तो सत्ता पक्ष अंतरराष्ट्रीय बाजार और वैश्विक परिस्थितियों का हवाला देता है। यह बहस लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है, क्योंकि महंगाई और जीवनयापन की लागत सीधे जनता के जीवन को प्रभावित करती है। लेकिन इस पूरे विमर्श में अक्सर एक महत्वपूर्ण पक्ष छूट जाता है—समाज की अपनी सामूहिक शक्ति और संकट के समय मिल-जुलकर समाधान खोजने की क्षमता। भारतीय समाज की मूल संरचना ही सामूहिकता पर आधारित रही है। यहाँ परिवार केवल पति-पत्नी और बच्चों तक सीमित नहीं होता, बल्कि विस्तृत रिश्तों और समुदाय के साथ जुड़ा रहता है। गांवों में तो यह भावना और भी गहरी दिखाई देती है, जहाँ कठिन परिस्थितियों में पूरा समाज एक-दूसरे के साथ खड़ा होता है। इसी सामाजिक संस्कृति का एक महत्वपूर्ण प्रतीक रहा है—'साझा चूल्हा'। साझा चूल्हा केवल भोजन पकाने का साधन नहीं था, बल्कि वह सामूहिक जीवन की भावना का केंद्र था। सीमित संसाधनों के दौर में कई परिवार मिलकर एक ही चूल्हे पर भोजन बनाते थे। इससे ईंधन की बचत होती थी, श्रम का बंटवारा होता था और सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि समाज के लोगों के बीच संवाद और अपनापन बना रहता था। भोजन केवल पेट भरने का माध्यम नहीं रहता था, बल्कि वह सामाजिक संबंधों को मजबूत करने का अवसर बन जाता था। समय के साथ जीवनशैली में बदलाव आया। तकनीकी विकास, शहरीकरण और आर्थिक प्रगति ने जीवन को सुविधाजनक तो बनाया, लेकिन सामूहिक परंपराओं को धीरे-धीरे कमजोर भी किया। आज लगभग हर घर में अलग रसोई और अलग चूल्हा है। यह व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजता का प्रतीक भी माना जाता है। लेकिन इसके साथ ही समाज में एक प्रकार की दूरी भी बढ़ी है। पड़ोस में रहने वाले लोग भी कई बार एक-दूसरे से अपरिचित रह जाते हैं। इसी संदर्भ में जब गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों की चर्चा होती है, तो हमें केवल राजनीतिक बहस तक सीमित रहने के बजाय सामाजिक दृष्टि से भी सोचने की आवश्यकता है। क्या हम अपनी परंपराओं से कोई ऐसी सीख ले सकते हैं जो आज की परिस्थितियों में भी उपयोगी हो? 'साझा चूल्हा' का विचार इसी दिशा में एक प्रेरक उदाहरण हो सकता है। हमारे समाज में भंडारे और लंगर की परंपरा सदियों से चली आ रही है। धार्मिक आयोजनों, मंदिरों, गुरुद्वारों और अन्य सामाजिक कार्यक्रमों में हजारों लोग एक ही रसोई से भोजन प्राप्त करते हैं। वहाँ न जाति का भेद होता है, न आर्थिक स्थिति का। सभी लोग एक साथ बैठकर भोजन करते हैं। यह परंपरा केवल सेवा भावना ही नहीं, बल्कि सामाजिक समानता और एकता का भी प्रतीक है। यदि समाज ऐसे बड़े आयोजनों में सामूहिक रसोई को सहजता से स्वीकार कर सकता है, तो फिर रोजमर्रा के जीवन में इस विचार को अपनाने में संकोच क्यों? यह आवश्यक नहीं कि हर जगह बड़े स्तर पर सामुदायिक रसोई स्थापित की जाए, लेकिन छोटे-छोटे स्तर पर भी सहयोग की भावना विकसित की जा सकती है। उदाहरण के लिए, किसी मोहल्ले या समुदाय के कुछ परिवार मिलकर सामूहिक रूप से भोजन बनाने की व्यवस्था कर सकते हैं, विशेषकर उन परिस्थितियों में जब संसाधन सीमित हों या खर्च अधिक हो रहा हो। यह विचार केवल आर्थिक बचत तक सीमित नहीं है। साझा चूल्हा समाज में सहयोग और संवाद की संस्कृति को भी मजबूत कर सकता है।

ललित शर्मा
संपादक

मेरा वाला ऐसा नहीं

मोनिका डागा

कविता

घर की ना घाट की लव-जिहाद की शिकार बनी स्त्रियॉं,
कुचली जाती है हॅंसती-खेलती 'आनंद' कोमल कलियॉं,
अपनों के ही खिलाफ बगावत करती नासमझ बेटियॉं,
प्यार में धोखा खा ये गुमसुम गुमराह आधी टूटी स्त्रियॉं ।

जिनके लिए संजोएं मॉं-बाप ने जीवन के रंगीन सपनें,
वो प्रेम में पड़ अनदेखा करे कौन पराए कौन है अपने,
आज को धकेल गर्त में छोड़ देती परिवार को तड़पनें,
ज्ञानेंद्रियों को नकार बस प्रेम की माला लगती जपने ।

ऑंखों पर पट्टी बॉंध वे कहती मेरा वाला ऐसा नहीं,
विपरीत लिंग आकर्षण में गुम हो जाती हैं वे कहीं,
प्यार में अंधे होकर संस्कारों को भुलाना सही नहीं,
ये भी सच हर प्रेमी युगल शाहरुख खान-गौरी नहीं ।

पवित्र प्रेम को वो शारीरिक आर्थिक चमक समझती,
वास्तविकता से परे प्रेमी के प्रेम-जाल में नित रमती,
अपने स्वतंत्र अस्तित्व की बलि देने में देर नहीं लगाती,
स्वयं भविष्य को उजाड़ गलत फैसले की मार सहती ।

अंतत: शर्मिंदा हो गलतियों पर करें वे इंसाफ की टेर,
मगर समय हाथ से निकल जाता हो जाती है बहुत देर,
बटोरती कुछ दिन वो फिर अखबारों की सुर्खियॉं घनेर,
पर सच यहीं मासूम सी जिंदगी हो जाती रेत जैसे ढेर ।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

पाँच राज्यों की चुनावी बिसात का 'पश्चिमी बंगाल' केन्द्रबिन्दु

जयदेव राठी
लेखक

भारत में जब भी कई राज्यों में एक साथ चुनाव होते हैं तो राजनीतिक विमर्श केवल स्थानीय मुद्दों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह राष्ट्रीय राजनीति की दिशा का संकेत भी देने लगता है। चुनाव आयोग द्वारा पांच राज्यों-पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी-में विधानसभा चुनावों की तिथियों की घोषणा के बाद देश की राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इन चुनावों को लेकर अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग समीकरण बन रहे हैं, लेकिन राजनीतिक विश्लेषकों की नजर विशेष रूप से पश्चिम बंगाल पर टिक गई है। इसका कारण यह है कि यहां पिछले लगभग डेढ़ दशक से सत्ता में मौजूद तृणमूल कांग्रेस और उसे चुनौती देने के लिए पूरी ताकत के साथ मैदान में उतरी भाजपा के बीच सीधा और तीखा मुकाबला देखने को मिल रहा है।

पश्चिम बंगाल की राजनीति पिछले कुछ वर्षों में राष्ट्रीय राजनीति का महत्वपूर्ण केंद्र बन चुकी है। वर्ष 2011 में वाम मोर्चे के लंबे शासन को समाप्त कर सत्ता में आई ममता बनर्जी ने राज्य की राजनीति को पूरी तरह बदल दिया था। उसके बाद से तृणमूल कांग्रेस लगातार सत्ता में बनी हुई है और इस बार का चुनाव उसके लिए लगभग 15 वर्षों के शासन की परीक्षा के रूप में देखा जा रहा है। लोकतांत्रिक राजनीति का एक स्वाभाविक नियम यह है कि लंबे समय तक सत्ता में रहने वाली सरकारों को एंटी-इन्कम्बेंसी का सामना करना पड़ता है। जनता के एक वर्ग में यह भावना बनने लगती है कि अब बदलाव होना चाहिए। पश्चिम बंगाल में भी विपक्ष इसी मनोविज्ञान को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है।

भाजपा ने पिछले एक दशक में पश्चिम बंगाल में अपनी राजनीतिक जमीन काफी मजबूत की है। कभी राज्य की राजनीति में सीमित उपस्थिति रखने वाली यह पार्टी आज तृणमूल कांग्रेस की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्वी बन चुकी है। 2019 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को राज्य में उल्लेखनीय सफलता मिली थी और 2021 के विधानसभा चुनावों में भी उसने मजबूत प्रदर्शन करते हुए खुद को मुख्य विपक्ष के रूप में स्थापित कर लिया। यही कारण है कि इस बार भाजपा पूरे आत्मविश्वास के साथ 'परिवर्तन' का नारा दे रही है। पार्टी का मानना है कि राज्य में भ्रष्टाचार, कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक अक्षमता जैसे मुद्दों के कारण जनता बदलाव चाहती है।

किन्तु भाजपा का यह उत्थान मात्र संगठनात्मक कार्य का परिणाम नहीं है – इसके पीछे घुसपैठ का मुद्दा है, जो इस चुनाव को राष्ट्रीय सुरक्षा के धरातल पर ले जाता है। बांग्लादेश में हिन्दुओं की लगातार हो रही हत्याओं से पश्चिम बंगाल के हिन्दू समुदाय में आक्रोश बढ़ रहा है। इस माहौल में अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों के विरुद्ध लोगों की नाराजगी भी तीव्र हुई है। अमित शाह ने आरोप लगाया कि असम, त्रिपुरा, गुजरात, कश्मीर और पंजाब की सीमाओं पर घुसपैठ नहीं होती – केवल बंगाल की सीमा पर क्यों होती है? उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा भूमि न दिए जाने के कारण बांग्लादेश सीमा पर बाड़बंदी पूरी नहीं हो पाई। यह आरोप-प्रत्यारोप का खेल केवल शब्द-युद्ध नहीं है – इसके पीछे करोड़ों मतदाताओं की भावनाएँ जुड़ी हैं। इस चुनाव में एक नया आयाम विशेष सघन पुनरीक्षण – अर्थात मतदाता सूची के गहन पुनर्निर्माण – का विवाद भी जोड़ता है। यह विवाद 'रोटी, कपड़ा और मकान' जैसे बुनियादी मुद्दों को भी पीछे छोड़ते हुए इस वर्ष बंगाल की राजनीति का एक प्रमुख विषय बन गया। इसमें तृणमूल कांग्रेस और चुनाव आयोग के बीच खुला टकराव देखने को मिला। ममता बनर्जी ने इस प्रक्रिया को बंगाली पहचान और मतदाता अधिकारों के लिए सम्भावित खतरा बताया, जबकि भाजपा का कहना है कि यह प्रक्रिया फर्जी नामों को हटाने के लिए जरूरी है जिनमें कथित तौर पर बांग्लादेश से आए घुसपैठिए, रोहिंग्या और अन्य लोग शामिल हैं। यह विवाद सर्वोच्च न्यायालय तक पहुँचा और ममता बनर्जी स्वयं अदालत में उपस्थित हुईं। ममता बनर्जी निष्क्रिय नहीं हैं। वे एक अनुभवी राजनीतिक योद्धा हैं जो प्रत्येक प्रहार का उत्तर जानती हैं।

भाजपा का आरोप है कि पड़ोसी देशों से होने वाली अवैध घुसपैठ ने राज्य की जनसांख्यिकी और सुरक्षा दोनों को प्रभावित किया है। भाजपा इस मुद्दे को राष्ट्रीय सुरक्षा और पहचान की राजनीति से जोड़कर जनता के सामने रखती रही है। दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस इन आरोपों को राजनीतिक प्रचार बताती है और कहती है कि भाजपा राज्य की सामाजिक एकता को तोड़ने की कोशिश कर रही है। इस तरह घुसपैठ का मुद्दा केवल प्रशासनिक समस्या नहीं बल्कि चुनावी बहस का बड़ा राजनीतिक विषय बन गया है। ममता बनर्जी की राजनीति की सबसे बड़ी ताकत उनकी जनसंपर्क क्षमता और कल्याणकारी योजनाएं मानी जाती हैं। उनकी सरकार ने महिलाओं, गरीबों और ग्रामीण वर्ग के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं, जिनका लाभ बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंचा है। यही कारण है कि तृणमूल कांग्रेस का दावा है कि जनता का भरोसा अब भी उसके साथ है। पार्टी यह भी कहती है कि भाजपा बाहरी ताकत के रूप में बंगाल की राजनीति में प्रवेश करना चाहती है, जबकि तृणमूल खुद को बंगाल की संस्कृति और अस्मिता का प्रतिनिधि बताती है। दरअसल पश्चिम बंगाल की राजनीति में केवल विकास या प्रशासनिक मुद्दे ही निर्णायक नहीं होते, बल्कि सांस्कृतिक पहचान भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। बंगाल का समाज अपनी भाषा, संस्कृति और बौद्धिक परंपरा को लेकर काफी सजग माना जाता है। ऐसे में चुनावों के दौरान 'बंगाली अस्मिता' का प्रश्न अक्सर उभरकर सामने आ जाता है। ममता बनर्जी इसी भावनात्मक मुद्दे को मजबूत करने की कोशिश करती रही हैं, जबकि भाजपा राष्ट्रीय राजनीति के बड़े मुद्दों को सामने रखकर चुनावी मैदान में उतरती है। हाल के वर्षों में राज्य सरकार पर कई आरोप भी लगे हैं, जिनमें शिक्षक भर्ती घोटाले और राशन वितरण से जुड़े विवाद प्रमुख रहे हैं। इन मामलों को लेकर विपक्ष ने सरकार को घेरने की कोशिश की है। भाजपा का कहना है कि इन घटनाओं ने प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं और जनता अब पारदर्शिता और जवाबदेही चाहती है। हालांकि तृणमूल कांग्रेस इन आरोपों को राजनीतिक साजिश बताकर खारिज करती रही है। यदि व्यापक राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो पश्चिम बंगाल का चुनाव केवल राज्य की सत्ता तक सीमित नहीं है। इसके परिणाम का असर राष्ट्रीय राजनीति पर भी पड़ सकता है। ममता बनर्जी को राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष के प्रमुख चेहरों में गिना जाता है। यदि वे एक बार फिर मजबूत जनादेश प्राप्त करती हैं तो उनकी राजनीतिक स्थिति और मजबूत हो सकती है। वहीं भाजपा के लिए बंगाल में सफलता पूर्वी भारत में अपनी राजनीतिक पकड़ को और विस्तार देने का अवसर होगी। हालांकि यह भी सच है कि पांच राज्यों के चुनावों में अन्य राज्यों के अपने-अपने राजनीतिक समीकरण हैं। तमिलनाडु में द्रविड़ राजनीति का पुराना संघर्ष अब भी जारी है, जहां सत्ता के लिए क्षेत्रीय दलों के बीच प्रतिस्पर्धा रहती है। केरल में परंपरागत रूप से वाम मोर्चा और कांग्रेस-नीत गठबंधन के बीच सीधी टक्कर होती है। असम में भाजपा अपनी सत्ता को बनाए रखने के लिए प्रयास करेगी, जबकि पुडुचेरी में गठबंधन राजनीति महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके बावजूद राष्ट्रीय मीडिया और राजनीतिक विश्लेषकों की चर्चा में पश्चिम बंगाल सबसे अधिक प्रमुख बना हुआ है। राजनीतिक दृष्टि से देखा जाए तो बंगाल का चुनाव कई कारणों से रोचक और महत्वपूर्ण है। एक ओर लंबे समय से सत्ता में मौजूद नेतृत्व की परीक्षा है, तो दूसरी ओर सत्ता परिवर्तन की कोशिश कर रही विपक्षी ताकतों का आक्रामक अभियान। इसके साथ ही पहचान की राजनीति, सामाजिक संतुलन और विकास की बहसें भी इस चुनाव को बहुआयामी बना देती हैं।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबी यही है कि अंतिम फैसला जनता के हाथ में होता है। राजनीतिक दल अपने-अपने तर्क, वादे और आरोपों के साथ मैदान में उतरते हैं, लेकिन मतदाता अपने अनुभव और अपेक्षाओं के आधार पर निर्णय लेते हैं। पश्चिम बंगाल की राजनीति का इतिहास भी यही बताता है कि यहां के मतदाता कई बार अप्रत्याशित फैसले लेकर राजनीतिक विश्लेषकों को चौंका देते हैं। ऐसे में यह कहना जल्दबाजी होगी कि केवल एंटी-इन्कम्बेंसी, परिवर्तन का नारा या घुसपैठ का मुद्दा ही चुनाव का परिणाम तय कर देगा। लेकिन इतना स्पष्ट है कि इस बार का चुनाव पश्चिम बंगाल के राजनीतिक भविष्य के साथ-साथ देश की व्यापक राजनीति को भी प्रभावित करने की क्षमता रखता है। यही कारण है कि पांच राज्यों के चुनावों के बीच भी सबसे ज्यादा निगाहें बंगाल की ओर टिकी हुई हैं, जहां सत्ता, पहचान और राजनीति की बहुस्तरीय लड़ाई एक बार फिर लोकतांत्रिक कसौटी पर परखी जाने वाली है।

ईरान के मोजेक चक्रव्यूह में अमेरिका-इजराइल फंस गए

स्नेहा सिंह
लेखिका

2005 में आईआरजीसी सेना के कमांडर मोहम्मद जाफरी ने तत्कालीन सरकार और सुप्रीम कमांडर को नई रणनीति लागू करने और सेना का ढांचा बदलने की सिफारिश की थी। मोहम्मद जाफरी ने आईआरजीसी की सेना को छोटी-छोटी टुकड़ियों में बांट दिया। हर सेना को एक सैन्य प्रमुख दे दिया। ये सभी सेनाएं मिलकर फिर से ईरान की ही सेना बनती हैं : ईरान ने अपने 31 प्रांतों के लिए 31 सेना कमांड बना दिए। अब वे एक ही सेना नहीं, बल्कि 32 कमांड में बंटी हुई सेना थी। हर यूनिट अलग तरीके से काम करती है, फिर भी मुख्य यूनिट से जुड़ी हुई है। हर प्रांत की सेना का अपना कमांडर है। हर कमांड के अपने हथियार हैं। उनकी अपनी युद्ध लड़ने की पद्धति है : यह ऐसा ढांचा हैल जिसमें शीर्ष नेता की मृत्यु हो जाए तब भी हर यूनिट अपने तरीके से उत्तराधिकारी को चार्ज देकर काम करती रहती है। ईरान ने हर यूनिट में 3 उत्तराधिकारी रखे हैं। उसकी चेन आफ कमांड बहुत मजबूत है। हर प्रांत की कमांड युद्ध में अपनी स्थिति के अनुसार स्वतंत्र रूप से निर्णय लेती है और युद्ध जारी रखती है। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर हमले किए जा रहे हैं। ईरान के कई स्थान धधक रहे हैं, उसके सुप्रीम लीडर की मृत्यु हो चुकी है, फिर भी ईरान टस से मस नहीं हो रहा है। जानकारों के अनुसार ईरान ने पिछले कई दशकों से इस युद्ध के लिए तैयारियां की थीं। कहा जाता है कि ईरान ने अपने मोजोक चक्रव्यूह में अमेरिका और इजराइल को फंसा दिया है। ईरान के शीर्ष नेता और सुप्रीम कमांडरों की मृत्यु के बावजूद तुरंत नए नेता और कमांडर चुन लिए गए और आज भी ईरान लड़ रहा है, इसके पीछे यही रणनीति जिम्मेदार है। वैश्विक स्तर पर दूसरा सवाल यह भी है कि अगर ईरान की सेना जिसे आईआरजीसी कहा जाता है, वह केवल सुप्रीम लीडर और कमांडर के इशारे पर ही काम करती है, तो फिर आयतोल्लाह खामेनेई की मृत्यु के बाद भी वह कैसे युद्ध कर रही है। जानकार मानते हैं कि अमेरिका कभी भी यह युद्ध करेगा, इसका अंदेशा ईरान को था और इसलिए उसने अपनी तरफ से सारी तैयारियां कर ली थीं। उसने दशकों से मोजोक चक्रव्यूह की रचना कर रखी थी, जिसमें कभी भी अमेरिका फंस सकता था। फिलहाल वही हुआ है। कहा जाता है कि 2003 में जब अमेरिका ने ईरान के पड़ोसी देश इराक पर हमला किया और सद्दाम हुसैन को पकड़ लिया, तब दुनिया स्तब्ध रह गई थी। दूसरी ओर इराक की पूरी व्यवस्था बिखर गई थी। सद्दाम हुसैन की कमांड संरचना इस तरह टूट गई कि पूरा देश बर्बाद हो गया। सद्दाम द्वारा तैयार किया गया सरकारी ढांचा, कमांड, सेना सब कुछ खत्म हो गया। अमेरिका ने सब कुछ अपने हाथ में ले लिया और थोड़े ही समय में गृहयुद्ध के कारण पूरा देश बर्बाद हो गया। ईरान उसी समय समझ गया था कि आज नहीं तो कल अमेरिका ईरान पर भी हमला करके ऐसी स्थिति पैदा कर सकता है। इसी कारण ईरान ने उसी समय से तैयारियां शुरू कर दी थीं। यह घटनाक्रम समझने जैसा है। एक तरफ अमेरिका और इजराइल योजना बना रहे थे कि ईरान पर हमला करना है। इजराइल ने वर्षों तक खामेनेई की जासूसी करने का दावा किया था। इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार खामेनेई एक ही स्थान पर बैठक करने वाले थे। इजराइल की इन रिपोर्टों पर अमेरिका को विश्वास था। इजराइल और अमेरिकी सेना ने मिलकर उसी दिन हमला कर दिया। उनकी सूचना सही निकली, खामेनेई और उनके साथ कई कमांडर तथा खामेनेई के कुछ परिवारजन भी इस हमले में मारे गए। अमेरिका और इजराइल को विश्वास था कि खामेनेई की मृत्यु के बाद ईरान टूट जाएगा और सब कुछ रुक जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। यहीं पर ईरान ने इन दोनों के साथ खेल कर दिया। ट्रम्प कह रहे हैं कि जल्द ही युद्ध समाप्त हो जाएगा, लेकिन ईरान ने घोषणा की है कि अब तो युद्ध शुरू हुआ है। अमेरिका और इजराइल ने जो करना था, वह कर लिया, अब हम युद्ध करेंगे। युद्ध अमेरिका ने शुरू किया था, समाप्त ईरान करेगा। इराक की घटना के बाद ईरान ने अपनी पूरी कमांड संरचना ही बदल दी थी और वही इस युद्ध का सबसे बड़ा चक्रव्यूह है। जानकारों के अनुसार 2005 में आईआरजीसी सेना के कमांडर मोहम्मद जाफरी ने तत्कालीन सरकार और सुप्रीम कमांडर को नई रणनीति लागू करने और सेना का ढांचा बदलने की सिफारिश की थी। दुनिया के अधिकांश देशों में सेना एक ही केंद्रीय कमांड के अधीन काम करती है। शीर्ष पर एक सुप्रीम कमांडर या सेना प्रमुख होता है, जिसके आदेश के अनुसार पूरी सेना काम करती है। वही रणनीति बनाता है और वही सेना की विभिन्न शाखाओं को युद्ध के आदेश देता है। अब यदि किसी देश के ऐसे शीर्ष कमांडरों को मार दिया जाए, तो उस देश की सेना भी खत्म हो जाती है। मोहम्मद जाफरी ने यही ढांचा बदल दिया। उन्होंने मोजेक कमांड की रचना कराई, जो ईरान के लिए लाभदायक साबित हुई। मोजेक शब्द वास्तव में चित्र के लिए प्रयोग किया जाता है। उसमें छोटे-छोटे टुकड़ों को जोड़कर एक चित्र बनाया जाता है। कई मकानों और इमारतों पर टाइल, कांच या अन्य चीजों को जोड़कर कोई कलाकृति बनाई जाती है, उसे मोजेक कहा जाता है। मोहम्मद जाफरी ने आईआरजीसी सेना की संरचना भी इसी प्रकार तैयार की। उन्होंने सेना को छोटी-छोटी टुकड़ियों में बांट दिया। हर सेना को एक सैन्य प्रमुख दे दिया। ये सभी सेनाएं मिलकर फिर से ईरान की ही सेना बनती हैं। ईरान ने अपने 31 प्रांतों के लिए 31 सेना कमांड बना दिए। आईआरजीसी सेना 31 भागों में बंट गई। अब वह एक सेना नहीं, बल्कि 32 कमांड में विभाजित सेना बन गई। एक तरह से देखें तो 32 सेनाएं बन गईं। हर यूनिट अलग तरीके से काम करती है, फिर भी मुख्य यूनिट से जुड़ी रहती है। हर प्रांत की सेना का अपना कमांडर है। हर कमांड के अपने हथियार हैं। उनकी अपनी युद्ध लड़ने की पद्धति है। उनका अपना नेटवर्क और खुफिया तंत्र है। हर कमांड अपनी अलग चेन आफ कमांड रखता है। इसका सीधा अर्थ है कि 32 सेनाओं के काम करने के 32 अलग-अलग तरीके हैं। तेहरान में दो टुकड़ियां और बाकी 30 प्रांतों में 30 टुकड़ियां रखी गई हैं। आईआरजीसी सेना के 32 कमांड हैं। हाल ही में जब अमेरिका और इजराइल ने तेहरान पर हमला किया, तब उनके शीर्ष कमांडरों को भी मार दिया गया। उनके मरते ही तुरंत दूसरे कमांडर और सुप्रीम लीडर तैयार थे, जिन्होंने उत्तराधिकारी के रूप में जिम्मेदारी संभाल ली और कामकाज जारी रखा। यह ऐसा ढांचा है, जिसमें शीर्ष नेता की मृत्यु हो जाए तब भी हर यूनिट अपने तरीके से उत्तराधिकारी को जिम्मेदारी देकर काम करती रहती है। ईरान ने हर यूनिट में 3 उत्तराधिकारी रखे हैं। उसकी चेन आफ कमांड बहुत मजबूत है। हर प्रांत की कमांड युद्ध में अपनी स्थिति के अनुसार स्वतंत्र रूप से निर्णय लेती है। वे अपने हथियार रखते हैं, बनाते हैं और उनका उपयोग करते हैं। मिसाइल छोड़ना, ड्रोन हमला करना या सीमा पर युद्ध लड़ना, इसका निर्णय वही करते हैं। उनके हथियार और मिसाइल के भंडार भी अलग-अलग होते हैं। इसका अर्थ है कि ईरान 32 अलग-अलग स्थानों से अलग-अलग तरीके से युद्ध लड़ सकता है, हमला कर सकता है या हमले का जवाब दे सकता है। मोजेक ढांचा ऐसा ढांचा है, जिसमें सेना के भीतर एक सेना और उसके साथ अन्य सेनाएं जुड़ी होती हैं। उसके कई टुकड़े होते हैं और हर टुकड़ा अपने तरीके से लड़ता है और जरूरत पड़ने पर मिलकर भी लड़ता है। जितनी दिशा में जरूरत पड़े, उतनी दिशा में अलग-अलग बनकर लड़ता है और इसी कारण अमेरिका और इजराइल अब फंस गए हैं। उन्हें कई मोर्चों पर लड़ना पड़ रहा है और हर जगह ध्यान रखना पड़ रहा है।शिवाजी महाराज द्वारा अपनाई गई गुरिल्ला युद्ध पद्धति को ही ईरान मोजेक कहता है। एक समय जिसे हम गुरिल्ला युद्ध पद्धति या छिपकर लड़ने की पद्धति कहते थे, वही यह पद्धति है। हिंदू स्वराज के रक्षक और भारत के सपूत शिवाजी महाराज भी दुश्मनों का नाश करने के लिए गुरिल्ला युद्ध पद्धति का उपयोग करते थे। वे भी मराठा योद्धाओं की टुकड़ियां बनाकर, उनका एक सरदार तय करके दुश्मन को चारों ओर से घेरकर हमला करते थे। ईरान ने भी यही पद्धति अपनाई है। इसमें शक्तिशाली दुश्मन को कमजोर करने के लिए अचानक हमला करना और छिपकर हमला करना शामिल है। ईरान को पता था कि अमेरिका लंबे समय तक युद्ध लड़ सकता है। इसी कारण आईआरजीसी के लड़ाकों और कमांडरों ने इस पद्धति को लागू करके तुरंत कार्रवाई शुरू की। उन्हें पता था कि लंबे समय तक लड़ना है, तो केंद्रीय सेना बनकर नहीं लड़ा जा सकता। इसलिए अब वे अमेरिका को जवाब दे रहे हैं और साथ-साथ उसे फंसा भी रहे हैं। दूसरी बात यह है कि ईरान के पास इन 32 कमांड के अलावा कुर्दों की सेना भी है। उसने दूसरे देशों में भी अपने लड़ाके तैनात किए हैं। लेबनान में हिज्बुल्लाह इजराइल के खिलाफ मोर्चा संभाले हुए है। इजराइली शक्ति अब वहां भी बंट गई है। दूसरी ओर यमन में हूती लड़ाके हैं जो आईआरजीसी की मदद करते हैं। लाल सागर में वे हमले करके युद्ध को लंबा खींच सकते हैं। ईरान अब युद्ध को लंबा खींचकर अमेरिका को थकाना चाहता है। वे अमेरिका पर सीधे हमला नहीं कर रहे, बल्कि दूसरे देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर भी हमले कर रहे हैं। दूसरे देशों में मौजूद उनकी कंपनियों को भी निशाना बनाया जा रहा है। मानलीजिए कि एयर डिफेंस सिस्टम हवा में ड्रोन और मिसाइल गिरा भी दे, तब भी उसका मलबा तो नीचे ही गिरेगा। वह दुबई, कतर, कुवैत, बहरीन, दोहा जैसे क्षेत्रों में भय का माहौल पैदा करने के लिए पर्याप्त है। इस प्रकार अब अमेरिका और इजराइल को फंसाया गया है और युद्ध को एक अलग स्तर पर ले जाया गया है।

स्वच्छ पर्यावरण को व्यापक वृक्षारोपण की आवश्यकता है

डॉ विजय गर्ग
लेखक

एक स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण मानव जीवन और सतत विकास की नींव है। हाल के दशकों में, तेजी से औद्योगीकरण, शहरी विस्तार और प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक उपयोग के कारण गंभीर पर्यावरणीय गिरावट आई है। प्रदूषण का बढ़ता स्तर, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता की कमी स्पष्ट चेतावनी हैं कि हमारा पर्यावरण तनावग्रस्त है। इनमें से कई पर्यावरणीय समस्याओं का सबसे सरल किन्तु सबसे शक्तिशाली समाधान पर्याप्त वृक्षारोपण और पेड़ों तथा हरे आवरण की सुरक्षा है। पेड़ों को अक्सर पृथ्वी का 'पौधे' कहा जाता है वे प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया के माध्यम से कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं और ऑक्सीजन छोड़ते हैं। यह प्राकृतिक प्रक्रिया वायुमंडल में गैसों के संतुलन को बनाए रखने में मदद करती है, जिससे हवा मनुष्यों और अन्य जीवित प्राणियों के लिए स्वच्छ और स्वस्थ हो जाती है। जब पेड़ों को उचित रूप से पुनः रोपने के बिना काटा जाता है, तो प्रकृति का संतुलन बिगड़ जाता है, जिससे कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर बढ़ जाता है और वायु की गुणवत्ता खराब हो जाती है। जलवायु परिवर्तन से लड़ने में भी व्यापक वृक्षारोपण महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पेड़ कार्बन सिंक का काम करते हैं, बड़ी मात्रा में कार्बन को संग्रहीत करते हैं और वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों की सांद्रता को कम करते हैं। इसलिए, बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान ग्लोबल वार्मिंग को धीमा करने और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। पेड़ों का एक और महत्वपूर्ण लाभ मिट्टी और जल संसाधनों की रक्षा में उनकी भूमिका है। पेड़ों की जड़ें मिट्टी को एक साथ रखती हैं और कटाव को रोकती हैं, विशेष रूप से भारी बारिश और बाढ़ के दौरान। पेड़ भूजल को पुनः चार्ज करने तथा श्वसन के माध्यम से प्राकृतिक जल चक्र को बनाए रखने में भी मदद करते हैं। पर्याप्त वनस्पति के बिना, भूमि शुष्क और बांझ हो जाती है, जो कृषि और खाद्य सुरक्षा को प्रभावित करती है। वृक्षारोपण जैव विविधता को भी समर्थन देता है। जंगल और हरित क्षेत्र पक्षियों, जानवरों और कीटों को आश्रय और भोजन प्रदान करते हैं। जैसे-जैसे जंगल लुप्त होते हैं, कई प्रजातियों को विलुप्त होने का खतरा रहता है। अधिक पेड़ लगाकर और मौजूदा जंगलों की सुरक्षा करके, हम वन्यजीवों के संरक्षण में मदद कर सकते हैं और हमारे ग्रह की समृद्ध जैव विविधता को बनाए रख सकते हैं। शहरी क्षेत्रों में, पेड़ विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं। वे ध्वनि प्रदूषण को कम करते हैं, छाया प्रदान करते हैं, तथा शीतलन प्रभाव पैदा करके तापमान को कम करते है। जिन शहरों में कंक्रीट संरचनाएं परिदृश्य पर हावी होती हैं, वहां हरित स्थान निवासियों के जीवन की गुणवत्ता और मानसिक कल्याण को बेहतर बनाते हैं। अध्ययनों से पता चला है कि हरित वातावरण में रहने वाले लोगों का तनाव कम होता है और उनका स्वास्थ्य बेहतर होता है। हालाँकि, वृक्षारोपण केवल सरकारी कार्यक्रमों तक ही सीमित नहीं होना चाहिए। जनता की भागीदारी आवश्यक है। स्कूलों, कॉलेजों, सामाजिक संगठनों और व्यक्तियों को वृक्षारोपण अभियानों में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए। पेड़ लगाना केवल पहला कदम है; जब तक वह एक मजबूत पौधे में विकसित नहीं हो जाता, तब तक उसका पोषण और सुरक्षा करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। दुनिया भर की सरकारें वृक्षारोपण के महत्व को तेजी से पहचान रही हैं। भारत में, ग्रीन इंडिया मिशन जैसी पहल वानिकीकरण और क्षतिग्रस्त जंगलों की बहाली को प्रोत्साहित करती हैं। ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य वन क्षेत्र को बढ़ाना और पर्यावरणीय स्थिरता में सुधार करना है। निष्कर्षतः, पर्याप्त वृक्षारोपण केवल एक पर्यावरणीय गतिविधि नहीं है; यह भावी पीढ़ियों के प्रति जिम्मेदारी है। स्वच्छ वातावरण, स्थिर जलवायु, उपजाऊ मिट्टी और समृद्ध जैव विविधता सभी पेड़ों की उपस्थिति पर निर्भर करते हैं। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवनकाल में कुछ पेड़ भी लगाए और उनकी रक्षा करे, तो सामूहिक प्रयास हमारे ग्रह को एक हरित और स्वस्थ स्थान में बदल सकता है।

गुलाब सिंह महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के साथ दिवसीय शिविर का समापन

नितिन शर्मा

चांदपुर(वेलकम इंडिया)। गुलाब सिंह हिन्दू स्नातकोत्तर महाविद्यालय चांदपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्र एवं छात्रा इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर के समापन दिवस के अवसर पर विभिन्न साँस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरम्भ मुख्य अतिथि एकता चौधरी, सभासद मोहल्ला विवेक नगर एवं प्राचार्या प्रोफेसर साधना द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर द्वीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण द्वारा किया गया। इसके उपरांत राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों एवं स्वयंसेविकाओं ने विभिन्न साँस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। हिमानी द्वारा सरस्वती वंदना करने के उपरांत कुमारी मनु वर्मा ने अतिथियों के सम्मान में स्वागत गीत प्रस्तुत किया। अरीबा आफताब, हिमानी, तरुणा, पायल, आराधना, पूनम, अनम, मनीषा, पल्लवी चौहान, आयशा, शिवा, दीपक, अल्फिया इमरान आदि विद्यार्थियों ने मंच पर विभिन्न प्रकार की प्रस्तुतियां दीं जिन्हेंने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। देव सैनी ने राष्ट्रीय सेवा योजना के बारे में अपना प्रभावपूर्ण भाषण देते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना की महत्ता पर प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि एकता चौधरी ने अपने उद्बोधन में छात्र-छात्राओं संबोधित करते हुए कहा कि उनको सफलता की प्राप्ति के लिए अपने लक्ष्यों के प्रति पूर्ण निष्ठा और एकाग्रता के साथ समर्पित होना पड़ेगा। यदि आप सफल होना चाहते हैं, तो आपको अपने उद्देश्यों के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध रहना अनिवार्य है।

प्रो अनिल कुमार वर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम छात्रों में समाज के प्रति संवेदनशीलता पैदा करते हैं और उनमें नेतृत्व क्षमता, अनुशासन तथा आत्मविश्वास जैसे गुणों को विकसित करते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षा एवं महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर साधना ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना जैसे कार्यक्रम केवल शिक्षण संस्थानों का हिस्सा मात्र नहीं हैं, बल्कि ये विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की आधारशिला हैं। सामुदायिक सेवा के माध्यम से विद्यार्थी न केवल समाज की जमीनी हकीकत से रूबरू होते हैं, बल्कि उनके व्यक्तित्व में निखार आता है जो उन्हें भविष्य का एक जिम्मेदार नागरिक बनाता है। इसके पश्चात छात्र इकाई के परियोजना अधिकारी मौ0 आरिफ एवं छात्रा इकाई की परियोजना अधिकारी डॉ. उदिता राजपूत ने सात दिवसीय विशेष शिविर की प्रगति आख्या प्रस्तुत की। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्या एवं मुख्य अतिथि के द्वारा सात दिवसीय शिविर में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए छात्र इकाई के देव सैनी, ललित, शिवा, तरुण श्रीवास्तव तथा अमन कुमार एवं छात्रा इकाई की स्वयंसेविकाओं शुमाएला मलिक, अल्फिया इमरान, तिलका, आराधना तथा हिमानी को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में मोहल्ला विवेक नगर की सभासद श्रीमती एकता चौधरी सहित महाविद्यालय के सभी शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में छात्र इकाई के सहायक परियोजना अधिकारी डॉ राजकुमार एवं छात्रा इकाई की सहायक परियोजना अधिकारी पूजा राजपूत के अतिरिक्त राजेश श्रीवास्तव, कुलदीप कुमार, सौरभ चौहान, कुलदीप, रवि कुमार, सौरव, संजय, धर्मेंद्र, सोनू का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का कुशल संचालन संचालन कुमारी श्रद्धा वत्स ने किया।

जमधरा गांव में पंचायत भवन की दुर्दशा हुई दयनीय

असदुल्लाह सिद्दीकी

बढ़नी(वेलकम इंडिया)। विकास खण्ड बढ़नी के ग्राम पंचायत जमधरा में सरकारी धन के दुरुपयोग और भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। लाखों की लागत से बना पंचायत भवन बदहाल स्थिति में है। भवन की सुरक्षा के लिए न तो मुख्य गेट है और न ही परिसर की घेराबन्दी सुरक्षित है। परिसर के अन्दर अवैध रूप से लहसुन की खेती की जा रही है। भवन के आस-पास ईंटों के ढेर और गन्दगी का अम्बार लगा है, जो प्रशासनिक लापरवाही को दशार्ता है। पंचायत भवन की भौतिक स्थिति बेहद खराब है और यह कभी भी गिर सकता है। नवनिर्मित होने के बावजूद इसकी दीवारों में बड़ी दरारें आ गई हैं और प्लास्टर उखड़ रहा है। सामुदायिक शौचालय भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त और अनुपयोगी है। परिसर में लगा इण्डिया मार्का हैण्डपम्प भी टूटा पड़ा है, जिससे पानी की व्यवस्था नहीं है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस पंचायत भवन में कोई भी जिम्मेदार अधिकारी या कर्मचारी नहीं बैठता है। भवन के अन्दर फर्श पर टाइल्स के बजाय उबड़-खाबड़ जमीन और गन्दगी फैली हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार ने लाखों रुपये खर्च कर यह भवन इसलिए बनवाया था ताकि उन्हें ब्लॉक के चक्कर न लगाने पड़ें, लेकिन यह अब केवल एक 'शो-पीस' बनकर रह गया है। जमधरा गांव के ग्रामीणों ने जिले के आला अधिकारियों से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने भवन निर्माण में प्रयुक्त सामग्री की गुणवत्ता और परिसर में हो रहे अवैध अतिक्रमण की उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। इस सम्बन्ध में बीडीओ अनिशि मणि पाण्डेय से सम्पर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया।

एसडीएम ने बुलडोजर से खलिहान की भूमि को कराया अवैध कब्जा मुक्त

असदुल्लाह सिद्दीकी

शोहरतगढ़(वेलकम इंडिया)। विकास खण्ड बढ़नी के ग्राम पंचायत बसन्तपुर के निकट खलिहान भूमि पर शमीमा खातून ने चार बर्षो से अतिक्रमण कर मकान बनावा रहें भूमि पर कब्जा जमाये थी, जिसको लेकर बसन्तपुर गांव निवासिनी गीता देवी ने खलिहान की भूमि कब्जा मुक्त कराने हेतु उप जिलाधिकारी शोहरतगढ़.से लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। सोमवार को एसडीएम शोहरतगढ़.विवेकानन्द मिश्रा की अगुवाई में राजस्व की टीम ने उक्त खलिहान की भूमि को धारा 67 के निस्तारण के बाद खाली कराया। तहसीलदार शोहरतगढ़.प्रकाश सिंह यादव ने टीम के साथ निशान देही कराई और खलिहान की भूमि ग्रामीणों को सौंप दी। अब ग्रामीणों की निगरानी में खलिहान की भूमि इस भूमि पर सुरक्षित रहेगी। इस दौरान उप जिलाधिकारी शोहरतगढ़. विवेकानन्द मिश्रा, तहसीलदार शोहरतगढ़.प्रकाश सिंह यादव, नायब तहसीलदार महबूब आलम अंसारी, कानूनगो राम कैलाश नागर, लेखपाल बासुदेव तिवारी, लेखपाल शिवशंकर, लेखपाल अरविन्द कुमार, लेखपाल अविनाश पाठक सहित भारी पुलिस बल मौजूद रहीं।

शासन के आदेश पर आवास योजना घोटाले की जांच के लिए टीम गठित, मचा हड़कम्प

असदुल्लाह सिद्दीकी

चिल्हियां(वेलकम इंडिया)। जनपद सिद्धार्थनगर के विकास खण्ड नौगढ़ अन्तर्गत ग्राम पंचायत बस्ठा टोला धुसुरी बुजुर्ग में विकास कार्यों और आवास योजना में कथित अनियमितताओं को लेकर उत्तर प्रदेश शासन ने सख्त रुख अपनाया है। ग्रामीणों की शिकायत के बाद अब शासन ने पूरे मामले की जांच के लिए टीम गठित किये जाने का आदेश जारी किया है, जिससे सम्बन्धित अधिकारियों और पंचायत स्तर पर हलचल तेज हो गई है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक ग्राम पंचायत के निवासी संजय सिंह पुत्र शंकर सिंह सहित अन्य ग्रामीणों ने शासन को लिखित शिकायत भेजकर आरोप लगाया था कि ग्राम पंचायत में वृक्षारोपण, मनरेगा कार्य, सड़क निर्माण, नाली निर्माण, चकरोड, कुआं निर्माण और प्रधानमंत्री तथा मुख्यमंत्री आवास योजना के आवन्टन में भारी अनियमितताएं की गई हैं।

वहीं ग्रामीणों का कहना है कि कई पात्र लोगों को योजनाओं से वंचित रखा गया और नियमों की अनदेखी कर कार्यों को कागजों में पूरा दिखाया गया। ग्रामीणों की शिकायत को गम्भीरता से लेते हुए उत्तर प्रदेश शासन के ग्रामीण विकास विभाग ने मामले का संज्ञान लिया है।

शासन स्तर से जारी पत्र में सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि शिकायत में उल्लिखित आवास योजना सहित अन्य कार्यों की निष्पक्ष जांच के लिए टीम गठित की जाये और नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाये। शासन के इस आदेश के बाद पंचायत से जुड़े लोगों में हड़कम्प मच गया है। क्षेत्र में चर्चा है कि यदि जांच निष्पक्ष तरीके से होती है तो विकास कार्यों में हुई कथित अनियमितताओं की परतें खुल सकती हैं। वहीं ग्रामीणों ने भी प्रशासन से मांग की है कि जांच में दोषी पाये जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाये ताकि सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता बनी रहें। अब सबकी निगाहें प्रशासन द्वारा गठित की जाने वाली जांच टीम और उसकी कार्रवाई पर टिकी हुई हैं। यदि जांच में शिकायत सही पाई जाती है तो सम्बन्धित जिम्मेदारों पर बड़ी कार्रवाई हो सकती है।

ईओ ने ईदगाह का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के दिये निर्देश

असदुल्लाह सिद्दीकी

बांसी(वेलकम इंडिया)। आगामी त्यौहार ईद-उल-फितर को शांतिपूर्ण एवं स्वच्छ वातावरण में सम्पन्न कराने के उद्देश्य से आदर्श नगर पालिका परिषद बांसी के अधिशासी अधिकारी जय प्रकाश यादव ने नगर स्थित ईदगाह का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं का जायजा लिया और संबंधित कर्मचारियों को समय रहते सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

अधिशासी अधिकारी ने कहा कि त्योहार के अवसर पर बड़ी संख्या में लोग ईदगाह में नमाज अदा करने आते हैं, इसलिए साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने कर्मचारियों को निर्देशित किया कि ईद से पूर्व ईदगाह परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान चलाया जाए। इस दौरान नगर पालिका के बड़े बाबू जमील अहमद तथा स्थानीय सफाई नायक सहित अन्य कर्मचारी भी मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय कानून की धज्जियां उड़ा रहा हैं इजराइल: मोहिबुल्लाह नदवी

गुलजार आलम

रामपुर(वेलकम इंडिया)। सपा सांसद मोहिबुल्लाह नदवी ने प्रेस को जारी बयान में अंर्तराष्ट्रीय कानून की धज्जियां उड़ा है इजराइल पर भारत सरकार की चुप्पी चिंता जनक हैं। सांसद मोहिबुल्लाह नदवी ने वैश्विक शांति और अंर्तराष्ट्रीय नियमों के बढते उल्लंघन पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए एक बयान जारी किया हैं। उन्होने इजराइल द्वारा गाजा में किये जा रहे मानवीय नरसंहार और हाल ही में ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई के सदंर्भ में हुई घटनाओं पर कड़ा रूख अपनाया हैं।

सांसद ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने पहले ही इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू के खिलाफ गिरफतारी वारंट और प्रतिबंधों की बात कही हैं। गाजा में महिलाओं और बच्चों का जिस तरह कत्लेआम किया जा रहा हैं वह पूरी मानवता के लिए शर्मनाक हैं।

ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई और वहां की संप्रभुता पर हमलों की आलोचना करते हुए कहा कि ऐसे कृत्य पूरी दुनिया को अस्थिरता की और धकेल रहे हैं।

यह माइट इस राइट वाली स्थिति हैं जहां कानून का कोई सम्मान नहीं रह गया हैं। सांसद नदवी ने बड़े अफसोस के साथ कहा कि जहां पूरी दुनिया और इंसानियत के प्रति संवेदनशील लोग इस युद्व और हिंसा के खिलाफ हें वहीं हमारे देश के प्रधानमंत्री ने अब तक इस पर कोई स्पष्ट टिप्पणी नहीं की हैं।

उन्होने आहवान किया कि अगर दुनिया में कानून, शराफत और इंसानियत को बचाना हैं तो ताकतवर देशों की मनमानी पर लगाम लगानी होगी। उन्होने मांग करते हुए कहा कि भारत को अपनी ऐतिहासिक विदेश नीति और मानवीय मूल्यों पर अडिग रहते हुए मजलूमों के हक में और अंर्तराष्ट्रीय कानूनी की बहाली के लिए अपनी आवाज बुलन्द करनी चाहिए।

कोटेदार द्वारा सरकारी गल्ला बेचने हेतु तहसीलदार ने पकड़ा

असदुल्लाह सिद्दीकी

शोहरतगढ़(वेलकम इंडिया)। तहसीलदार शोहरतगढ़.प्रकाश सिंह यादव ने शोहरतगढ़.तहसील अन्तर्गत रविवार को झरुआ मोड़ पर कोटेदार हलौरा द्वारा सरकारी गल्ला बेचने हेतु रंगे हाथों टैम्पों सहित मौके पर पकड़ा है। मौके से 05 कुन्तल सरकारी खाद्यान्न आढ़ती के यहां बेचने जाते हुआ बरामद किया। तहसीलदार ने टैम्पों को पुलिस के हवाले कर जिला पूर्ति अधिकारी को कार्रवाई के लिए सूचित किया है। शोहरतगढ़.के झरुआ मोड़ पर सरकारी गल्ले से भरा टैम्पों बेचने हेतु ले जाने के दौरान तहसीलदार ने बरामद की। तहसीलदार ने टैम्पों को थाने में खड़ा करने के बाद पूर्ति विभाग को कार्रवाई करने के निर्देश भी दिये है। वहीं शोहरतगढ़.के एक गल्ला आढ़ती के यहां सरकारी खाद्यान्न होने की सूचना पर तहसीलदार ने टीम के साथ झरुआ मोड़ पर जाकर बरामद किया।

डॉ. उपासना दीक्षित राष्ट्र शक्ति शिरोमणि सम्मान 2026 से अलंकृत

डॉ. शंभु पंवार

नई दिल्ली(वेलकम इंडिया)। भारत के प्रखर राष्ट्रवादी साहित्यिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठन सम्पर्क क्रांति परिवार के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय शक्ति शिखर सम्मेलन में डॉ. उपासना दीक्षित को 'राष्ट्र शक्ति शिरोमणि सम्मान 2026'से सम्मानित किया गया। समारोह में असम के पूर्व राज्यपाल तथा दिल्ली सरकार के पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री जगदीश मुखी, संपर्क क्रांति परिवार के संस्थापक शिव विनायक शर्मा तथा योगेश कुमार पटेल ने डॉ. उपासना दीक्षित को समाज एवं राष्ट्र के प्रति सकारात्मक योगदान और प्रेरणादायक कार्यों के माध्यम से नारी शक्ति के सशक्त उदाहरण के रूप में यह सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. हर्षवर्धन, भारत की पूर्व उच्चायुक्त पद्मजा, कस्टम एवं जीएसटी दिल्ली के अपर आयुक्त, मेजर जनरल गोपाल कृष्ण थपरियाल, कमलिनी अस्थाना, नलिनी अस्थाना, मरु कोकिला लोक गायिका सीमा मिश्रा तथा भोजपुरी गायिका नीतू सिंह सहित विभिन्न क्षेत्रों की कई विशिष्ट विभूतियां उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में संपर्क क्रांति परिवार के ज्यूरी सदस्यों ने देश के विभिन्न राज्यों से आई उन महिलाओं को सम्मानित किया, जिन्होंने गायन, नृत्य, समाज सेवा, साहित्य, शिक्षा, फिल्म, मीडिया, उद्योग, राजनीति, न्यायपालिका और खेल सहित अनेक क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा और परिश्रम से उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं।

चेकिंग के दौरान अवैध शस्त्र सप्लाई करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार, तीन पिस्टल व कारतूस बरामद

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। जनपद में अपराध की रोकथाम तथा अवैध शस्त्र बनाने व बेचने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सिम्भावली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने चेकिंग के दौरान अवैध शस्त्र सप्लाई करने वाले तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है ।पुलिस अधीक्षक हापुड़ के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत थाना सिम्भावली पुलिस द्वारा गंगा एक्सप्रेसवे के पुल के नीचे सिम्भावली क्षेत्र में चेकिंग के दौरान तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से तीन अवैध पिस्टल (32 बोर), चार जिंदा कारतूस तथा घटना में प्रयुक्त एक एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल (रजिस्ट्रेशन नंबर UP 37W 0556) बरामद की गई है। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान दिव्यांश पुत्र प्रवीन शर्मा निवासी ग्राम हिंडालपुर थाना पिलखुवा जनपद हापुड़, विनीत उर्फ विन्नी पुत्र अमरीश निवासी ग्राम खटकी थाना परीक्षितगढ़ जनपद मेरठ तथा नितिन पुत्र सूरजपाल निवासी ग्राम छिजारसी थाना पिलखुवा जनपद हापुड़ के रूप में हुई है।

युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, शारीरिक फिटनेस नियमित व्यायाम करने के लिए प्रेरित किया: डॉ रवि धनकड

नितिन शर्मा

बिजनौर(वेलकम इंडिया)। आर.एस.एम. कॉलेज धामपुर (बिजनौर) की राष्ट्रीय सेवा योजना (छात्र इकाई) के सात दिवसीय विशेष शिविर का चतुर्थ दिवस ग्राम सरकड़ा चकराजमल में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रवि धनकड़ के नेतृत्व में 'फिट इंडिया मूवमेंट' थीम पर उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। इस दिवस का उद्देश्य युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, शारीरिक फिटनेस के प्रति जागरूक करने तथा नियमित व्यायाम और खेलकूद को अपने जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम की शुरूआत रोजाना की तरह प्रातःकाल सभी स्वयंसेवकों द्वारा योगाभ्यास से हुई। इसके पश्चात धर्मशाला परिसर में साफ-सफाई एवं पौधों की सिंचाई की गई। स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए नाश्ते में सभी स्वयंसेवकों को फल वितरित किए गए। जिससे उन्हें संतुलित आहार और पोषण के महत्व के प्रति जागरूक किया जा सके। प्रथम सत्र में स्वयंसेवकों का शारीरिक फिटनेस परीक्षण आयोजित किया गया। इस परीक्षण के अंतर्गत स्वयंसेवकों की शारीरिक क्षमता और स्वास्थ्य स्तर का आकलन करने के लिए विभिन्न परीक्षण कराए गए, जिनमें बीएमआई (बीएमआई) परीक्षण, पुश अप्स, सिट-अप्स, सिट-एंड-रीच टेस्ट, 1.5 किमी दौड़ तथा मस्कुलर स्ट्रेंथ टेस्ट प्रमुख रहे। इन गतिविधियों के माध्यम से स्वयंसेवकों को अपने शारीरिक स्वास्थ्य का मूल्यांकन करने और उसे बेहतर बनाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित प्रो. अमित कुमार सिंह ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर ही स्वस्थ समाज और सशक्त राष्ट्र की नींव होता है। उन्होंने कहा कि नियमित व्यायाम, संतुलित आहार और अनुशासित दिनचर्या से ही व्यक्ति शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकता है। द्वितीय सत्र में स्वयंसेवकों के बीच विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिनमें वॉलीबॉल, कबड्डी, रस्साकशी और कुर्सी दौड़ शामिल रहे। इन खेल प्रतियोगिताओं में स्वयंसेवकों ने पूरे उत्साह, ऊर्जा और टीम भावना के साथ भाग लिया, जिससे शिविर का वातावरण अत्यंत उत्साहपूर्ण और आनंदमय बन गया। इस सत्र में शारीरिक शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. जितेंद्र चौधरी भी उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि खेल और शारीरिक गतिविधियां न केवल शरीर को स्वस्थ और सशक्त बनाती हैं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का भी विकास करती हैं।

शंकराचार्य स्वामी सदानन्द सरस्वती को 'हरि आवाज' पुस्तक भेंट, चेयरमैन पं. रविकांत शर्मा ने लिया आशीर्वाद

राजेंद्र सिंह

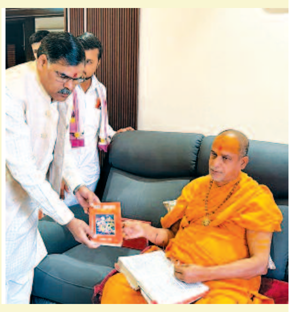

गुरुग्राम(वेलकम इंडिया)। विश्व ब्राह्मण संघ (भारत) के चेयरमैन पं. रविकांत शर्मा ने गुरुग्राम में दो दिवसीय प्रवास पर पहुंचे द्वारिका शारदा पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी सदानन्द सरस्वती से भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर पं. रविकांत शर्मा ने ब्राह्मण शिरोमणि, विश्व ब्राह्मण संघ के संस्थापक एवं चेयरमैन स्वर्गीय पंडित मांगे राम शर्मा द्वारा लिखित पुस्तक 'हरि आवाज' शंकराचार्य स्वामी सदानन्द सरस्वती जी को भेंट की ।इस अवसर पर शंकराचार्य स्वामी सदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि स्वर्गीय पंडित मांगे राम शर्मा ने अपने जीवन को भारत ही नहीं बल्कि विश्व स्तर पर सनातन धर्म, भारतीय संस्कृति और सामाजिक सेवा के कार्यों के लिए समर्पित किया। उनके व्यक्तित्व और कार्यों को सदैव याद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पं. रविकांत शर्मा के कार्यों में स्वर्गीय पंडित मांगे राम शर्मा की छवि स्पष्ट दिखाई देती है। शंकराचार्य ने वर्तमान समय में ब्राह्मण समाज की सुरक्षा और उत्थान को लेकर भी चिंता व्यक्त की तथा देश की परिस्थितियों और समाज के विकास के विषय में विस्तार से विचार-विमर्श किया।

नमो भारत हो या मेरठ मेट्रो, एक ही टिकट से यात्रियों को मिल रही सुविधा

उज्जवल रस्तौगी

(वेलकम इंडिया)। मेरठ में नमो भारत और मेरठ मेट्रो सार्वजनिक परिवहन परिदृश्य में नई क्रांति ला रही हैं। देश में पहली बार एक अनूठी पहल के तहत एक ही इन्फ्रास्ट्रक्चर पर सेमी-हाई-स्पीड ट्रेन नमो भारत और मेरठ मेट्रो दौड़ रही हैं। नमो भारत हो या मेरठ मेट्रो, यात्रियों की सुविधा के लिए एक ही टिकट से दोनों सेवाएँ मिल रही हैं।

अत्याधुनिक सिग्नलिंग और अनुकूलित समय-सारणी से नमो भारत और मेरठ मेट्रो ने दिल्ली, मेरठ व आसपास के क्षेत्रों के बीच कनेक्टिविटी को नया आयाम दिया है। एक ही इन्फ्रास्ट्रक्चर पर सुचारू संचालन के लिए, नमो भारत और मेरठ मेट्रो, दोनों की अनुकूलित समय-सारणी बनाई गई है। नमो भारत ट्रेन फिलहाल हर 10 मिनट में उपलब्ध है, जो सराय काले खाँ से मोदीपुरम तक के पूरे कॉरिडोर पर परिचालित है। मेरठ मेट्रो की फ्रीक्वेंसी भी 10 मिनट की है। नमो भारत की अधिकतम परिचालन गति 160 किमी प्रति घंटा है जबकि मेरठ मेट्रो 120 किमी प्रति घंटा की अधिकतम परिचालन गति से मेरठ साउथ से मोदीपुरम तक 12 स्टेशनों के बीच परिचालित होती है।

एनसीआरटीसी ने यात्रियों की सुविधा का खास ध्यान रखा है। मेरठ में ऐसे स्टेशनों पर आइलैंड प्लेटफॉर्म की व्यवस्था की गई है, जहां मेरठ मेट्रो और नमो भारत दोनों का ठहराव होता है। आइलैंड प्लेटफॉर्म यानी ऐसा प्लेटफॉर्म जिसके दोनों तरफ ट्रैक होते हैं। मेरठ में एक ही ट्रैक पर नमो भारत और मेरठ मेट्रो, दोनों दौड़ती हैं। ऐसे में अगर आइलैंड प्लेटफॉर्म होता है तो यात्री एक ट्रेन से उतरकर सामने वाले प्लेटफॉर्म से दूसरी ट्रेन पकड़ सकते हैं। एक ही दिशा में जाने के लिए यात्रियों को ज्यादा चलने की असुविधा नहीं होती है।

उदाहरण के लिए, यदि किसी यात्री को सराय काले खां से ब्रह्मपुरी मेट्रो स्टेशन जाना है तो उन्हें सीधा ब्रह्मपुरी का टिकट लेना होगा। इसके बाद वह शताब्दी नगर तक नमो भारत से, और ब्रह्मपुरी तक आगे की यात्रा मेट्रो से कर सकते हैं। शताब्दी नगर पर जिस प्लेटफॉर्म पर यात्री आगे की यात्रा के लिए उतरेंगे, उसी के सामने के प्लेटफॉर्म पर मेट्रो ट्रेन मिल जाती है। इस तरह एक दिशा में जाने के लिए प्लेटफॉर्म तो बदलना होगा लेकिन बिना सीढ़ी या एस्केलेटर से दूसरे प्लेटफॉर्म पर जाए बिना, यानी आइलैंड प्लेटफॉर्म पर दूसरी ट्रेन मिल जाएगी।

यदि किसी यात्री को मोदीनगर नॉर्थ से मेरठ नॉर्थ (मेट्रो स्टेशन) जाना है तो उसे बेगमपुल तक नमो भारत में सफर करना होगा। बेगमपुल स्टेशन एक अंडरग्राउंड स्टेशन है, जहां इस तरह का आइलैंड प्लेटफॉर्म बना है। एक दिशा में जाने वाली नमो भारत और मेरठ मेट्रो ट्रेनें एक ही ट्रैक पर चलती हैं। नमो भारत से इस स्टेशन पर उतरने के बाद यात्रियों को उसी प्लेटफॉर्म से अगली मेट्रो ट्रेन मिल जाएगी, जिसमें वह आगे की यात्रा कर सकते हैं। टिकट के लिए भी यात्री को मोदीनगर नॉर्थ से सीधे मेरठ नॉर्थ का ही टिकट लेना होगा, यानी मेट्रो का टिकट अलग से लेने की जरूरत नहीं होगी।

टिकटिंग के लिए यात्रियों को स्टेशन पर काउंटर के अलावा टिकट वेंडिंग मशीन उपलब्ध हैं, जिनसे वे नगद, कार्ड और यूपीआई से टिकट खरीद सकते हैं। इसके अलावा नमो भारत कनेक्ट ऐप से टिकट खरीदे जा सकते हैं। इस ऐप पर ह्यजर्नी प्लानरह्न का फीचर भी दिया गया है, जिससे यात्री अपने गंतव्य की जानकारी ले सकते हैं। इतना ही नहीं, नमो भारत कनेक्ट ऐप से दिल्ली मेट्रो के टिकट भी खरीदे जा सकते हैं। इसी तरह, मेट्रो टिकट बुक करने के लिए डीएमआरसी मोबाइल ऐप का इस्तेमाल करने वाले यात्री नमो भारत ट्रेन और मेरठ मेट्रो के टिकट भी खरीद सकते हैं। नमो भारत और मेरठ मेट्रो के बीच अंतर करना भी बेहद आसान है। नमो भारत में जहां 6 कोच उपलब्ध हैं, जिनमें पहला कोच (दिल्ली से मेरठ की ओर) प्रीमियम है और दूसरा कोच महिलाओं के लिए आरक्षित है। वहीं, मेरठ मेट्रो में तीन कोच हैं और प्रत्येक कोच में महिलाओं, वृद्धजनों व दिव्यांगजनों के लिए सीटें आरक्षित हैं। नमो भारत और मेट्रो में अंतर को पहचानने के लिए इनके बाहरी रंग को भी अलग किया गया है। नमो भारत में जहां बाहरी बॉडी पर मरून रंग की धारी है तो वहीं, मेट्रो पर फ्लोरेसेंट ग्रीन रंग की धारी है और उसके दरवाजे भी इसी रंग के हैं।

नमो भारत और मेरठ मेट्रो स्टेशनों को जहां भी संभव हो, भारतीय रेलवे के स्टेशनों, मेट्रो स्टेशनों और बस डिपो के साथ रणनीतिक रूप से जोड़ा गया है। यात्रियों के अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए रणनीतिक रूप से मेरठ साउथ, शताब्दी नगर, बेगमपुल और मोदीपुरम स्टेशनों को इस प्रकार से डिजाइन किया गया है कि यात्रियों को दोनों सेवाओं, नमो भारत और मेरठ मेट्रो के बीच स्विच करना आसान हो। मेरठ मेट्रो के लिए मेरठ साउथ, परतापुर, रिठानी, शताब्दी नगर, ब्रह्मपुरी, मेरठ सेंट्रल, भैसाली, बेगमपुल, एमईएस कॉलोनी, दौरली, मेरठ नॉर्थ, और मोदीपुरम स्टेशन हैं। मेरठ सेंट्रल, भैसाली और बेगमपुल अंडरग्राउंड स्टेशन हैं, बाकी स्टेशन एलिवेटेड हैं।

नववर्ष मेला की प्रतियोगिताओं में सैकड़ों बच्चों ने लिया भाग

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। नववर्ष मेला समिति मथुरा प्रतियोगिता विभाग के तत्वाधान में सरस्वती शिशु मंदिर दीनदयाल नगर में रविवार को विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। प्रतियोगिताओं के परिणाम और पुरस्कार वितरण 18 मार्च को सेठ बी०एन० पोद्दार इंटर कॉलेज में आयोजित नवसंवत्सर मेला में दिए जायेंगे। नवसंवत्सर 2083 (हिंदू नववर्ष) के उपलक्ष्य में नववर्ष मेला समिति के प्रतियोगिता विभाग द्वारा जूनियर और सीनियर वर्ग में मेंहदी, पोस्टर बनाओ और रंग भरो प्रतियोगिताएं कराई गई। इसमें 380 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। मेंहदी प्रतियोगिता जूनियर वर्ग में बहनों ने माखन खाते हुए गोपाल जी और सीनियर वर्ग में सिंह पर सवार दुर्गा मां को दशार्ते हुए मनोहारी मेंहदी रचाई गईं। पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में जल संरक्षण और सीनियर वर्ग में ऑपरेशन सिंदूर पर मनोहारी पोस्टर बनाकर उनमें रंग उकेरे गए। रंग भरो प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में रानी लक्ष्मीबाई और सीनियर वर्ग में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ० केशव बलिराम हेडगेवार के रेखाचित्र में सुंदर रंग भरे गए। इस अवसर पर महामंत्री प्रदीप श्रीवास्तव, अनिरुद्ध अग्रवाल, गंगाधर अरोड़ा, विशाल रुहेला, समीर बंसल, डॉ० जमुना शर्मा, राजीव कृष्ण, अनुराधा शर्मा, डा० सीमा मिश्रा, रेखा शर्मा, ब्रजनंदन सिंह, वृषभान गोस्वामी, दिनेश सिंह, महावीर सिंह, रुकमपाल, फूलचंद, शुचि अग्रवाल आदि समिति पदाधिकारी उपस्थित रहे।

महामहिम राष्ट्रपति करेंगी मुकुट मुखारविंद मंदिर पर दुग्धाभिषेक, प्रशासन तैयार

मनोज शर्मा

मथुरा(वेलकम इंडिया)। महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के 21 मार्च को आगमन को देखते हुए कस्बे को सजाया जा रहा है। कस्बे में साफ-सफाई, दीवारों की रंगाई, अतिक्रमण हटाने समेत सभी कार्यों को अंतिम स्वरूप प्रदान किया जा रहा है। महामहिम के तीन दिवसीय मथुरा दौरे की शुरूआत 19 मार्च से हो रही है। जिसमें 21 मार्च को गोवर्धन की सप्तकोषीय परिक्रमा लगाया जाना शामिल है। महामहिम परिक्रमा मार्ग स्थित प्रसिद्ध मुकुट मुखारविंद मानसी गंगा मंदिर पर दर्शन करेंगी। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए मंदिर रिसीवर कपिल चतुर्वेदी ने बताया कि सर्वप्रथम गंगाजल पंचामृत से गिर्राज जी का अभिषेक कराया जाएगा। मंदिर गर्भग्रह में वैदिक मन्त्रोंच्चारण के साथ पूजा-अर्चना करेंगी। मंदिर में ही अल्पविश्राम के लिए व्यवस्था की गई है। महामहिम को राधा-कृष्ण का चित्रपट भेंट किया जाएगा। इस दौरान श्रीजी पीठ से मनीष बाबा भी राष्ट्रपति की आगवानी के लिए मंदिर परिसर में रहेंगे। प्रशासन के साथ भी वार्ता हो चुकी है। महामहिम का मंदिर आगमन तय हो चुका है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का यह पहली बार गोवर्धन आगमन है। कस्बावासी भी महामहिम के आगमन के दौरान पूरा साथ देने के लिए तैयार हैं। सभी दुकानदारों ने स्वयं अपने अतिक्रमण हटा लिए हैं। गिर्राज नगरी को विशेष तरीके से सजाया जा रहा है। प्रशासन की ओर से संपूर्ण परिक्रमा मार्ग में लाल रंग से पुताई कराई गई है। सड़क के दोनों ओर सफेद रंग की पट्टी बनाई गई है। बिजली विभाग द्वारा भी विशेष तैयारियां की जा रही हैं। पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा पेच वर्क कर सड़कों को संवारा जा रहा है। महामहिम के आगमन के दौरान प्रशासन कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहता। सुरक्षा व्यवस्था हेतु व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। त्रिष्तरीय सुरक्षा व्यवस्था का चार्ट तैयार कर लिया गया है। मथुरा जिला प्रशासन लगातार राष्ट्रपति कार्यालय के संपर्क में रहकर सभी आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था हेतु व्यापक इंतजाम सुनिश्चित कर रहा है।

माननीय कांशी राम जी की 92वीं जयंती पर आयोजित लोकतंत्र बचाओ यात्रा में शामिल हुए सपा नेता नेता महेश शर्मा

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। अखिल भारतीय समता फाउंडेशन द्वारा राजनैतिक क्रांति के अग्रदूत माननीय कांशी राम जी की92वीं जयंती के अवसर पर आयोजित ह्ललोकतंत्र बचाओ यात्राह्ल में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता महेश चन्द्र उर्फ गोल्डी भैया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

अपने संबोधन में गोल्डी भैया ने कहा कि कांशीराम साहब ने समाज में समानता और सामाजिक न्याय की लड़ाई को नई दिशा दी। आज जरूरत है कि उनके विचारों को आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि आज देश में लोकतंत्र और आपसी भाईचारा चुनौती के दौर से गुजर रहा है। समाजवादी पार्टी हमेशा से पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की लड़ाई लड़ती रही है। उन्होंने कहा कि जब प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी तो सभी वर्गों को साथ लेकर विकास और सामाजिक न्याय को मजबूत किया जाएगा।

जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान पर जोर: सीडीओ ने जनता दरबार में सुनीं शिकायतें

वेलकम इंडिया संवाददाता

बागेश्वर। कलेक्ट्रेट सभागार बागेश्वर में मुख्य विकास अधिकारी आर.सी. तिवारी की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं एवं शिकायतें अधिकारियों के समक्ष रखीं। जनता दरबार के दौरान पेयजल, विद्युत, आपदा राहत, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) से संबंधित समस्याएं प्रमुख रूप से प्राप्त हुईं। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा अधिकांश समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण कराया गया, जबकि शेष प्रकरणों को त्वरित कार्यवाही हेतु संबंधित विभागों को प्रेषित करते हुए निर्धारित समयसीमा में समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों की भी विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए। जिन विभागों में कॉलिंग प्रतिशत कम पाया गया, उन्हें चेतावनी जारी करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक के दौरान 'हेलो बागेश्वर' पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों की भी समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को जनसमस्याओं का त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित जनहित से जुड़े समाचारों के संबंध में भी अधिकारियों से जानकारी ली गई और आवश्यक कार्रवाई करते हुए समस्याओं के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जनसमस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है।

परिषदीय विद्यालयों की वार्षिक परीक्षा शुरू बच्चों में दिखा उत्साह

असदुल्लाह सिद्दीकी

बिस्कोहर(वेलकम इंडिया)। विकास खंड भनवापुर के न्याय पंचायत बिस्कोहर के परिषदीय स्कूलों में सोमवार से वार्षिक परीक्षा शुरू हुई। सोमवार को सुबह 9;30 बजे प्राथमिक विद्यालय प्रथम व द्वितीय बिस्कोहर, हरिबंधनपुर, देवीपुर, कोहंडौरा व गदाखौवा में कक्षा 1 से 5 तक के बच्चों की सभी विषयों की मौखिक परीक्षा कराई गई। इसके साथ पूर्व माध्यमिक विद्यालय बिस्कोहर में एवं कंपोजिट विद्यालय कोहंडौरा में छात्र - छात्राओं ने सुबह साढ़े 9 बजे से साढ़े 11 बजे तक कृषि विज्ञान व गृह शिक्षा और दोपहर साढ़े 12 बजे से ढाई बजे तक खेलकूद व स्वास्थ्य की परीक्षा दी। संकुल हेड उमाकांत गुप्ता व संकुल प्रभारी गोपेश दूबे ने बताया कि परीक्षा बेहतर ढंग से सम्पन्न कराया जा रहा है।

ताजमहल में मधुमक्खियों का हमला: पर्यटकों में अफरा-तफरी

मयूर खान

आगरा(वेलकम इंडिया)। आगरा में ताजमहल परिसर में मधुमक्खियों का छत्ता टूटने से अचानक मधुमक्खियों ने पर्यटकों पर हमला कर दिया। घटना के बाद परिसर में अफरा-तफरी मच गई और पर्यटक खुद को बचाने के लिए दौड़ते नजर आए। कई लोगों ने रुमाल और कपड़ों से चेहरा ढककर बचाव किया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

विश्व प्रसिद्ध ताजमहल में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब परिसर में अचानक मधुमक्खियों ने पर्यटकों पर हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि परिसर में मौजूद मधुमक्खियों का छत्ता टूट गया, जिसके बाद बड़ी संख्या में मधुमक्खियां बेकाबू होकर पर्यटकों की ओर उड़ने लगीं। देखते ही देखते वहां मौजूद लोगों में भगदड़ जैसे हालात बन गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जैसे ही मधुमक्खियों का झुंड पर्यटकों की ओर बढ़ा, लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। कई पर्यटक रुमाल, दुपट्टा, कपड़ा और हाथों से अपना चेहरा ढककर खुद को बचाने की कोशिश करते नजर आए। कुछ लोग जमीन की ओर झुक गए, तो कुछ खुले स्थान से दूर भागते दिखाई दिए। इस अचानक हुई घटना से कुछ देर के लिए पूरे परिसर में हड़कंप मच गया।

सुरक्षा कर्मियों और मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने लोगों को सुरक्षित स्थानों की ओर जाने की सलाह दी। हालांकि, घटना कुछ ही देर की रही, लेकिन इस दौरान माहौल पूरी तरह तनावपूर्ण हो गया। राहत की बात यह रही कि किसी बड़ी जनहानि की सूचना नहीं है, लेकिन अचानक हुई इस घटना ने पर्यटकों को कुछ समय के लिए दहशत में डाल दिया।

राष्ट्रीय लोकदल कार्यालय बिजनौर पर पूर्व सैनिक सम्मेलन का आयोजन

नितिन शर्मा

बिजनौर(वेलकम इंडिया)। राष्ट्रीय लोकदल कार्यालय बिजनौर पर पूर्व सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रालोद जिला अध्यक्ष ओमपाल कश्यप एवं संचालन लवकुश फौजी जिला अध्यक्ष पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ ने किया। कार्यक्रम में सतेन्द्र कुमार फौजी को जिला महासचिव और कैलाश सिंह को जिला उपाध्यक्ष पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ का मनोनयन पत्र दिया गया और दोनों पदाधिकारीयों को फूलमाला और पार्टी का पटका पहनाकर सभी ने जोरदार स्वागत किया। बिजनौर के पूर्व सैनिकों ने लवकुश फौजी के माध्यम से रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री चौधरी जयंत सिंह से पूर्व सैनिकों के हित में मांग रखी है। देश में पूर्व सैनिकों का टोल फीस माफ होना चाहिए।

स्नेह माधुरी कुंज में नित्य लीला प्रविष्ट सन्त विवेकानंद महाराज (मौनी बाबा) के प्रथम स्मृति महोत्सव की धूम

डॉ. गोपाल चतुर्वेदी

वृन्दावन(वेलकम इंडिया)। गौरा नगर कॉलोनी (चार सम्प्रदाय आश्रम के पीछे) स्थित स्नेह माधुरी कुंज में चल रहे प्रख्यात सन्त नित्य लीला प्रविष्ट विवेकानंद महाराज (मौनी बाबा) के प्रथम स्मृति महोत्सव के अंतर्गत ब्राह्मण-ब्रजवासी सेवा का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ सम्पन्न हुआ।जिसमें पूज्य महाराजश्री की परम कृपापात्र शिष्या साध्वी मीरा बहिनजी के निर्देशन में सैकड़ों विप्रों व ब्रजवासियों को भोजन प्रसाद ग्रहण कराकर उन्हें दक्षिणा प्रदान की गई।तत्पश्चात समस्त भक्तों-श्रद्धालुओं व शिष्य परिकर के द्वारा सन्त प्रवर विवेकानंद महाराज (मौनी बाबा) का पावन स्मरण किया गया।साथ ही उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की गई। महोत्सव में प्रमुख समाजसेवी मुकेश खंडेलवाल, कुशलेश खंडेलवाल, प्रख्यात भजन गायक पण्डित दामोदर शर्मा, डॉ. रमेश चंद्राचार्य विधिशास्त्री, बसन्त कुलकर्णी, ललित कुलकर्णी (भोपाल), मुरली दास महाराज, सुखदेव दास महाराज (काकाजी), फिल्मस्तान स्टूडियो के संचालक जॉनी भाटिया, पण्डित सुदामा शास्त्री, युवा साहित्यकार डॉ. राधाकांत शर्मा, प्रमुख शिक्षाविद् जगदीश नीलम, आचार्य विष्णुकांत शास्त्री, पण्डित भरत शास्त्री, राधेश शर्मा, एडवोकेट आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। महोत्सव के मीडिया प्रभारी ह्यपी रत्नह्न डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने बताया कि महोत्सव के अंतर्गत 18 मार्च को सायं 03 बजे से विराट संत-विद्वत सम्मेलन आयोजित होगा। जिसमें कई प्रख्यात संत,विद्वान व धमार्चार्य आदि भाग लेंगे। इसके अलावा 28 मार्च को ब्रज गोपियों की सेवा एवं 29 मार्च को बाल गोपाल सेवा आदि के कार्यक्रम सम्पन्न होंगे।

आगरा में दूध की डेयरी पर विवाद, डेयरी संचालक ने की गोलीबारी, एक घायल

मयूर खान

आगरा(वेलकम इंडिया)। आगरा में थाना एत्माद्दौला क्षेत्र में एक दूध की डेयरी पर लेन-देन को लेकर हुए विवाद में डेयरी संचालक ने गोली चलाई, जिसमें एक युवक के हाथ व पैर में गोली लगी।

घायल युवक को उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी स्थिति खतरे से बाहर है। पुलिस ने प्राप्त तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया है और अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए 03 पुलिस टीमें गठित की गई हैं। अग्रिम वैधानिक कार्यवाही प्रचलित है। एसीपी छत्ता शेषमणि उपाध्याय ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

हेलमेट न होने पर व्यापारी का चालान, लोकेशन व समय गलत भरने का आरोप

व्यापारियों ने थाने पहुंचकर जताया रोष, मुख्यमंत्री पोर्टल पर की शिकायत

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। कस्बे में हेलमेट न पहनने पर एक व्यापारी का चालान काटे जाने के बाद व्यापारियों ने रोष प्रकट किया। व्यापारी ने पुलिस पर आरोप लगाया है कि बिना सही जानकारी के चालान काटकर व्यापारियों को अनावश्यक रूप से परेशान किया जा रहा है। साथ ही चालान में दर्शाई गई लोकेशन और समय को भी गलत बताया गया है। पीड़ित व्यापारी ने मामले की शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल पर दर्ज कराते हुए संबंधित पुलिसकर्मी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। कस्बा निवासी तरुण सैनी ने रेलवे मार्ग स्थित माता मंदिर के निकट बालाजी खाद बीज भंडार के नाम से दुकान कर रखी है। व्यापारी क्षेत्र के किसानों सहित खाद-बीज आसपास के छोटे दुकानदारों को थोक में सप्लाई करने का काम करता है। व्यापारी का आरोप है कि सोमवार सुबह वह अपने घर से दुकान की ओर जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में एक पुलिसकर्मी ने उसे रोक लिया और उसकी बाइक की फोटो खींचकर हेलमेट न पहनने का हवाला देते हुए चालान कर दिया।व्यापारी का कहना है कि कुछ देर बाद उसके मोबाइल पर चालान का मैसेज प्राप्त हुआ, जिसमें चालान की लोकेशन शामली दर्शाई गई थी, जबकि घटना कांधला क्षेत्र की है। इसके अलावा चालान का समय भी लगभग दोपहर तीन बजे का दर्ज किया गया, जबकि उस समय वह अपनी दुकान पर मौजूद था। इसको लेकर व्यापारी ने चालान प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए इसे गलत बताया।मामले को लेकर पीड़ित व्यापारी कस्बे के अन्य व्यापारियों अमित गर्ग, कन्हैया चावला, सेठपाल और रामबीर सहित थाने पहुंचा और थाना प्रभारी से मिलकर पूरे प्रकरण की जानकारी दी। व्यापारियों ने चालान की जांच कर निस्तारण करने की मांग की। साथ ही तरुण सैनी ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराते हुए दोषी पुलिसकर्मी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।अन्य व्यापारियों का कहना है कि पुलिस द्वारा आए दिन चालान काटे जा रहे हैं, जिससे व्यापारियों को अनावश्यक परेशानी उठानी पड़ रही है।उनका कहना है कि कस्बे में व्यापार करने के लिए उन्हें दिनभर बाइक से ही इधर-उधर आना-जाना पड़ता है, लेकिन पुलिस बिना उचित जांच के चालान कर रही है। व्यापारियों ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

दिल्ली में 4 अप्रैल को आयोजित देश व्यापी धरना प्रदर्शन हेतु तैयारी बैठक

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया में शामिल उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ और जूनियर शिक्षक संघ की संयुक बैठक जूनियर हाई स्कूल खलीलाबाद में जिला अध्यक्ष अंबिका देवी यादव की अध्यक्षता में सोमवार को हुई। इस बैठक में 4 अप्रैल को दिल्ली में होने वाले देशव्यापी धरना प्रदर्शन की तैयारी हेतु जिला पदाधिकारी एवं ब्लॉक के पदाधिकारियों और जिला ब्लॉक के संघर्ष समिति के पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई।जनपद के सभी नौ ब्लॉक के शिक्षकों से बस से दिल्ली चलने का आह्वान किया गया। जिलाध्यक्ष अंबिका देवी यादव ने कहा कि टी ई टी को लेकर शिक्षकों में काफी आक्रोश है।तीस पैंतीस साल की सर्विस करने के बाद टी ई टी थोपना न्यायसंगत नहीं है।टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की एक सूत्री मांग है टी ई टी की अनिवार्यता समाप्त की जाए। जिला अध्यक्ष जूनियर शिक्षक संघ अशोक कुमार गुप्ता ने कहा कि शिक्षकों को आशा थी कि वर्तमान बजट सत्र में इस संबंध में कानून बनाकर देश प्रदेश के शिक्षकों के न्याय किया जाए। बैठक में के सी सिंह,विजयनाथ यादव,जफीर अली करखी,अब्दुर्रहीम,जयभान चौधरी,मो आजम,राम शरण यादव,प्रेम प्रकाश दुबे,सुएब अहमद,प्रमोद पाठक,जलालुद्दीन,अवधेश मणि शिव चरण गुप्ता,अनिल सिंह,जयभान चौधरी,राज कुमार शुक्ला ,वेद प्रकाश त्रिपाठी,आदि मौजूद रहे।

जिला पावर लिफ्टिंग एसोसिएशन की बैठक का सफल आयोजन अन्नपूर्णा रेस्टोरेंट में किया गया

वेलकम इंडिया संवाददाता

अलीगढ़। नगर अतरौली में जिला पावर लिफ्टिंग एसोसिएशन की बैठक का सफल आयोजन अन्नपूर्णा रेस्टोरेंट में किया गया। पूर्व राष्ट्रीय खिलाड़ी मनोज चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन अलीगढ़ के सभी पदाधिकारी सदस्यों की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें पूर्व राष्ट्रीय खिलाड़ी अध्यक्ष संदीप शर्मा को फूल माला पहनाकर सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों ने स्वागत किया युवा होनहार कुशल खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जिला पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन के तत्वाधान में 5 मार्च को श्रीदेवी लालाराम डिग्री कॉलेज अतरौली के प्रबंधक स्वर्गीय राम अवतार शर्मा मेमोरियल जिला चैंपियनशिप के नाम से उनकी याद में कराने का निर्णय लिया है। उपाध्यक्ष विकास अग्रवाल महासचिव अरुण कुमार संयुक्त सचिव दीपक शर्मा संयुक्त सचिव मीनाक्षी गोर कोषाध्यक्ष योगेश कुमार प्रवीण राजपूत अंजलि पचौरी गौरव चौहान राजा शर्मा पंकज शर्मा मनोज शर्मा जीतू पंडित संजय राजपूत बिट्टू शर्मा भोला शर्मा कोच रिजवान खान आदि ने प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए अपने विचार रखें।

सिंधी उत्सव के प्रचार हेतु दोपहिया वाहनों पर निकले युवा

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। सर पर भगवान झूलेलाल के फोटो की टोपी और झंडियां लिए, सफेद रंग के ड्रेसकोड के साथ जिलेभर के तमाम सिंधीजन संगठित होकर अपने टूव्हीलर वाहनों पर आयोलाल झूलेलाल के जयकारे लगाते हुए दिखे। इस वाहन रैली में सिंधी समाज की एकता स्पष्ट नजर आयी।

मीडिया प्रभारी किशोर इसरानी ने बताया कि पूज्य सिन्धी जनरल पंचायत मथुरा द्वारा सिंधी उत्सव पखवाड़ा चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत 17 मार्च को कृष्णा आर्चिड में झूलेलाल ज्योत प्रज्वलित तथा रक्तदान कार्यक्रम, 20 मार्च को झूलेलाल जयंती चेटीचंड पर्व के प्रति समाज की सहभागिता बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं।इसी उद्देश्य से सोमवार को नगर में आमंत्रण यात्रा निकाली गई। सिंधी नवयुवक मंडल द्वारा युवा अध्यक्ष तरूण लखवानी, उपाध्यक्ष मनोहर मंगलानी, महामंत्री तरूण नाजवानी, वरिष्ठ सदस्य गिरधारी नाथानी, कोषाध्यक्ष दीपक टेकवानी, मंत्री सतीश मंगलानी, मंत्री रवि चंदानी, ऑडिटर दिनेश केवलानी, चंदा मंत्री धर्मेंद्र खत्री, मीडिया प्रभारी ललित नाथानी, जितेंद्र उतवानी, मुकेश कोतकवानी आदि के नेतृत्व में वाहन रैली सुबह 8 बजे कृष्णा नगर पुलिस चौकी मुकुंद रिसोर्ट से शुरू हुई, जिसमें सिंधी समाज के सभी संगठनों की महिलाएं एवं पुरूष, सफेद ड्रेसकोड में भगवान झूलेलाल के जयकारे लगाते हुए बड़े अनुशासित ढंग से आते - जाते हुए राहगीरों को नवसंवत्सर की अग्रीम शुभकामनाएं देते हुए अपने अपने टूव्हीलर वाहनों पर निकले। इसमें वरूणावतार झूलेलाल जयंती के प्रति सिंधीजनों का उत्साह चरम पर दिखा। इसमें सिंधी जनरल पंचायत, लाड़ी लोहाणा सिंधी पंचायत, सिंधी वेलफेयर फाउंडेशन मिशन स्माइल, भारतीय सिंधु सभा, सिंधी महिला मंडल, सिंधी नवयुवक मंडल आदि संगठनों के सुरेश मेठवानी, जितेंद्र लालवानी, जीवतराम चंदानी, बसंत मंगलानी, भगवानदास बेबू , चंदन आडवाणी, झामनदास नाथानी सहित समस्त पदाधिकारी एवं सदस्यगण शामिल थे। रैली का स्थान स्थान पर पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया।

थाना मुख्यालय पर हो फायर ब्रिगेड की गाड़ी मो अहमद

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष मो अहमद एवं कायनात फातिमा जिला पंचायत सदस्य ने कहा कि मौसम में आए बदलाव के कारण गेहूं की फसल तेजी के साथ पक रही है। शीघ्र ही फसल की कटाई शुरू हो जाएगी।आग से बचाव हेतु पूर्व में ही तैयारी शुरू होनी चाहिए। मो अहमद ने कहा कि हर बार देखा गया है कि आग के कारण किसानों की तैयार गेहूं की फसल को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। जो अत्यंत कष्टदायक होता है।

आग लगने के बाद फायर ब्रिगेड को सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में पंहुचने पर काफी समय लग जाता है। स्थानीय जन समूह ही किसी तरह आग बुझाने के लिए जूझते है।

इस बड़ी आपदा से निपटने के लिए आवश्यक है कि स्वयं किसान सतर्क रहें ।मो अहमद ने जिला एवं तहसील प्रशासन से तत्काल समय से पहले इसकी समीक्षा कर जनपद मुख्यालय से दूर सभी थानो पर फायर ब्रिगेड की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है ।

ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिती मे आग जैसी आपदा से फसलों को सुरक्षित किया जा सके। जैसा कि पूर्व के वर्षो मे दुधारा थाने पर फायर ब्रिगेड की व्यवस्था सुनिश्चित की गयी थी।

ओलावृष्टि और तेज हवाओं के साथ भारी बारिश से फसलों को नुकसान

गेहूं की फसल जमीन पर गिरी, आम की फसल को भारी क्षति,किसानों ने मांगा मुआवजा

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। नगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में देर रात अचानक मौसम ने करवट ले ली। तेज हवाओं के साथ हुई भारी बारिश और ओलावृष्टि ने सैकड़ों किसानों की गेहूं की तैयार खड़ी फसल खेतों में जमीन पर गिर गई, जिससे फसल खराब होने की आशंका बढ़ गई है। इसके साथ ही आम के बागों में आई छोटी फलियों को भी भारी नुकसान पहुंचा है।

रविवार देर रात अचानक तेज हवाएं चलने लगीं और कुछ ही देर में ओलावृष्टि के साथ मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। तेज हवा और बारिश के कारण कई स्थानों पर गेहूं की फसल खेतों में लेट गई, जिससे किसानों को भारी नुकसान होने की आशंका है। किसान बताते हैं कि इस समय गेहूं की फसल लगभग पककर तैयार थी और कटाई का समय नजदीक था, लेकिन अचानक हुए मौसम परिवर्तन ने उनकी मेहनत पर पानी फेर दिया।

वहीं आम के बागों में भी इस समय बौर और छोटे-छोटे फल आ चुके है। ओलावृष्टि और तेज हवाओं के कारण आम के पेड़ों को भी काफी नुकसान हुआ है। कई स्थानों पर आम की बौर और फलियां टूटकर गिर गईं, जिससे आम उत्पादन पर भी असर पड़ने की संभावना है।बारिश के कारण नगर और क्षेत्र के कई स्थानों पर जलभराव और कीचड़ की समस्या भी देखने को मिली। सुबह जब लोग घरों से बाहर निकले तो गलियों और सड़कों पर पानी जमा होने से आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। हालांकि सोमवार सुबह मौसम साफ हो गया और सूर्य निकलने से लोगों को ठंड से कुछ राहत मिली।

नगर एवं क्षेत्र के किसानों ने प्रदेश सरकार और प्रशासन से फसलों के हुए नुकसान का सर्वे कराकर उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है।

दिनदहाड़े घर के बाहर से रहड़ा चोरी, सीसीटीवी में कैद हुए दो युवक

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। कस्बे के मोहल्ला मोलानान में घर के बाहर खड़ा एक रेहड़ा चोरो ने चोरी कर लिया।घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसमें दो अज्ञात युवक रेहड़ा ले जाते हुए दिखाई दे रहे हैं।नगर के मोहल्ला मोलानान निवासी आसिफ पुत्र सागीर ने बताया कि वह मजदूरी कर परिवार का पालन–पोषण करता हैं। रविवार दोपहर वह किराये पर रेहड़ा लेकर घर पहुंचा और उसे घर के बाहर खड़ा कर दिया। कुछ देर बाद जब वह बाहर आए तो रेहड़ा गायब मिला।आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखने पर दो युवक उसका रेहड़ा ले जाते हुए दिखाई दिए।पीड़ित ने पुलिस से रेहड़ा बरामद करने और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्ध युवकों की पहचान कर उनकी तलाश की जा रही है। जल्द ही का खुलासा किया जाएगा।

अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर विवाहिता से मारपीट, 11 के खिलाफ मुकदमा

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। कस्बे के मोहल्ला इदरीश बैग बिहार निवासी एक विधवा महिला ने अपनी बेटी के साथ मारपीट व अतिरिक्त दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए ससुराल पक्ष के 11 लोगों के खिलाफ थाने पर तहरीर दी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रविवार को पीड़ित महिला ने बताया कि उसने अपनी बेटी इकरा की शादी 22 मई 2025 को कस्बे के मोहल्ला रायजादगान निवासी नदीम पुत्र यामीन के साथ मुस्लिम रीति–रिवाज के अनुसार हुई थी। शादी में करीब 10 लाख रुपये खर्च कर सोने–चांदी के जेवरात व अन्य सामान दिया गया था।आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष अतिरिक्त दहेज में पांच लाख रुपये की मांग करने लगे । मांग पूरी नही होने पर पति नदीम व अन्य परिजनों ने इकरा के साथ मारपीट कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। विवाहिता ने मामले की सूचना अपने परिजनों को दी।परिजनों ने घायल को पहले कस्बे के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से हालत गंभीर होने पर करनाल रेफर कर दिया गया। बाद में उसे दिल्ली अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है और उसका उपचार चल रहा है। पुलिस ने पीड़ित विधवा महिला की तहरीर पर नदीम, यामीन, आसमा, नावेद, सबिया, सबा, सुल्ताना, आसिफ, रिजवाना, सहजाद, रेनू व फिरोज के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

सनातन हिन्दू वाहिनी भारत की हापुड़ की जिला अध्यक्ष बनी कविता शर्मा

हरेन्द्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद की नियुक्त सनातन हिन्दू वाहिनी भारत के प्रदेश अध्यक्ष औघड़ संजय नाथ योगी ने कविता शर्मा जी को जिला अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ हापुड़ के पद पर मनोनीत किया यह नियुक्ति महिला प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष बबीता चौधरी व प्रदेश सचिव जुगल किशोर श्रीवास्तव जी के अनुरोध पर की गई, इस अवसर पर गौरक्षा महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष यतेंद्र शर्मा जी ने सनातन हिन्दू वाहिनी भारत के प्रदेश अध्यक्ष औघड़ संजय नाथ योगी जी को तलवार भेंट कर सम्मान किया, कविता शर्मा जी ने कहा कि जिस आशा व उम्मीद से मुझे जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है मै इसे तन मन धन से निभाते हुए सनातन धर्म की रक्षा करते हुए संगठन के आदेश अनुसार कार्य करूंगी और संगठन व अपने पद की गरिमा को बनाए रखूंगी,सनातन हिन्दू वाहिनी भारत के प्रदेश उपाध्यक्ष पूरण दास जी महाराज व जिला अध्यक्ष हापुड़ अमित माहेश्वरी, दीपक गुप्ता, राहुल अग्रवाल, आदि पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे । इस नियुक्ति से जनपद हापुड़ में सभी पदाधिकारियों व कार्यकताओं में खुशी का माहौल है सभी ने कविता शर्मा को फोन के द्वारा व उनके कार्यालय पर पहुंच कर बधाई देने वालों का तांता लगा रहा।

माहे रमजान खत्म होने से पहले, खुद का जायजा लें जफीर कारखी

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पवित्र माहे रमजान अपनी सारी रहमतों, बरकतों और रूहानी नेमतों के साथ खत्म होने वाला है।अब गिनती के सिर्फ.तीन या चार दिन बचे हैं। यह पूरा महीना अल्लाह की इबादत, रोजा, तौबा, कुरान की तिलावत, तरावीह, दान-पुण्य, और दुआ और माफी मांगने में बिताया है। रमजान सिर्फ. भूखे-प्यासे रहने और कामुक इच्छाओं से बचने के बारे में नहीं है, बल्कि यह रूह को ट्रेनिंग देने, रूह को पवित्र करने और किरदार को बेहतर बनाने का महीना है।

इस महीने में, एक मुसलमान अपने रब के और करीब जाने की कोशिश करता है। वह अल्लाह के हुक्म का पालन करते हुए दिन भर हलाल चीजों को भी छोड़ देता है ताकि उसमें तकवा और पवित्रता आए। ताकि इंसान तकवा पैदा करे और अपनी इच्छाओं पर काबू रखना सीखे। यह महीना इंसान को खुद पर काबू, सब्र, दया और त्याग सिखाता है। जब इंसान खुद भूख और प्यास की तकलीफ और तेजी महसूस करता है, तो उसे उन लोगों का दर्द भी महसूस होता है जो पूरे साल गरीबी और तंगी से परेशान रहते हैं।

इस एहसास के नतीजे में उसके अंदर दान और दूसरों की मदद करने का जज्बा पैदा होता है। यही वो जज्बा है जो रमजान के पैगाम को ज़िंदा रखता है। रमजान असल में इस्लाम धर्म का एक बहुत कीमती हिस्सा है। रमजान के बाद भी हमारी नमाजें नियमित रहें, हमारे आचार-व्यवहार नरम रहें, हमारी जबान झूठ, चुगली और बुरी बातों से बची रहे, और हमारे दिलों में अल्लाह का डर और प्यार बढ़े और हम जलन, नफरत और भेदभाव से दूर रहें, तो समझिए कि हमने रमजान का सही फायदा उठाया है। इसके उलट, अगर रमजान खत्म होते ही हमारी ज़िंदगी पहले जैसी हो जाए, इबादत में ढिलाई हो और गुनाहों की तरफ झुकाव बढ़ जाए, तो यह इस बात की निशानी है कि हमने इस महीने का असली मकसद हासिल नहीं किया है।

हदीस शरीफ में ज़िक्र है कि जिसका रमजान अच्छा गुजरता है, उसके लिए बाकी महीने भी अच्छे गुजरते हैं। रमजान हमें ज़िंदगी के हर पल में अल्लाह को याद करने और उसकी खुशियों को पहले रखने, जैसा रब चाहता है वैसा ज़िंदगी जीने और जैसा हम चाहें वैसा ज़िंदगी से बचने की सीख देता है।

रमजान के आखिरी दस दिन खास अहमियत रखते हैं। ये वो दस दिन हैं जिनमें रात-ए-फैसला जैसी एक बड़ी रात रखी गई है, जो हजार महीनों से बेहतर है। ये वो मौका है जब बंदा अपने गुनाहों की माफी मांगता है, अपने रब से रिश्ता मजबूत करता है और अपनी ज़िंदगी को एक नई दिशा देने का इरादा करता है।इसलिए जरूरी है कि हम इन आखिरी दिनों को लापरवाही में बर्बाद न करें, बल्कि जितना हो सके इन्हें इबादत, दुआ और माफी मांगने में बिताएं। सच तो ये है कि रमजान एक महीना नहीं बल्कि एक पैगाम है। ये पैगाम हमें बताता है कि इंसान अपनी इच्छाओं पर काबू रखकर एक पवित्र और इज्जतदार ज़िंदगी जी सकता है। ये महीना हमें याद दिलाता है कि इस दुनिया की ज़िंदगी कुछ समय की है और असली कामयाबी अल्लाह की खुशनसीबी और आखिरत की भलाई में है। इसलिए रमजान खत्म होने से पहले, हमारे लिए यह जरूरी है कि हम खुद का जायजा लें। हमें देखना चाहिए कि हमारी इबादत कितनी और कितनी अच्छी हुई है, हमारे कामों में कितना सुधार हुआ है और हमारी नीयत में कितनी सच्चाई आई है। अगर कोई कमी रह गई है, तो अभी भी समय है कि हम अल्लाह तआला से माफी मांग लें और आगे के लिए अच्छी नीयत बना लें। रमजान का पवित्र महीना खत्म होने से पहले, हमें अपने दिलों में झाँकना चाहिए, अपने कामों को देखना चाहिए, खुद का जायजा लेना चाहिए, और यह वादा करना चाहिए कि हम अपनी ज़िंदगी के हर दिन में इस महीने की भावना को ज़िंदा रखने की कोशिश करेंगे। अगर हम यह संकल्प करते हैं, तो यकीनन रमजान हमारे लिए सिर्फ.एक महीना नहीं रहेगा, बल्कि हमारी ज़िंदगी में सुधार और सफलता का एक परमानेंट जरिया बन जाएगा।

सेमरियावां में भव्य अफतार पार्टी का आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पवित्र माहे रमजान का सोमवार को 26 रोजा पूरा हो गया। 27 वीं रात शुरू हो गई।ये रात बहुत बरकत वाली और अमूल्य है। इस मुबारक अवसर पर मदरसा तालीमुल कुरान सेमरियावां की आलीशान जामा मस्जिद में दावत अफ्तार का आयोजन किया गया।जिसमें क्षेत्र हजारों लोगों ने एक साथ मिलकर अफतार किया।जिसमें दूर दर्ज गांव के लोग शरीक हुए।साथ मिलकर नमाज अदा की।सामूहिक रूप से दुआ मांगी।27 वीं की रात जागकर गुजारा।एक धार्मिक जलसे का आयोजन किया।जिसमें माहे रमजान की विशेषता पर धार्मिक विद्वानों ने प्रकाश डाला। हमीदुद्दीन चौधरी के नेतृत्व में अफ्तार की तैयारी में हाफिज जियाउद्दीन ,नौशाद अहमद,रिजवान मुनीर,वसीम अहमद,अतिकररहमान, अबसार अहमद,मुनीर हसन,जमालुद्दीन ,महमूद प्रमुख,जफीर अली आदि मौजूद रहे।

ट्रांसपोर्ट नगर योजना में बने 'महर्षि वन' पार्क का मंत्री डॉ. अरुण कुमार ने किया लोकार्पण

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। खुर्जा विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित ट्रांसपोर्ट नगर योजना की ग्रीन बेल्ट में सौंदर्यीकरण कार्य के अंतर्गत निर्मित ह्लमहर्षि वनह्व पार्क का स्थलीय निरीक्षण एवं लोकार्पण रविवार, 16 मार्च 2026 को किया गया। पार्क का लोकार्पण उत्तर प्रदेश सरकार के वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार तथा जनपद बुलंदशहर के प्रभारी मंत्री के करकमलों द्वारा, सदर विधायक प्रदीप चौधरी की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर बुलंदशहर-खुर्जा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डा. अंकुर लाठर ने जानकारी देते हुए बताया कि ट्रांसपोर्ट नगर योजना की ग्रीन बेल्ट में लगभग 2 हेक्टेयर क्षेत्रफल में विकसित 'महर्षि वन' पार्क के विकास और सौंदर्यीकरण पर लगभग 2.76 करोड़ रुपये की लागत आई है। पार्क को नागरिकों के लिए प्राकृतिक एवं आध्यात्मिक वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। पार्क परिसर में नागरिकों के ध्यान और आध्यात्मिक गतिविधियों के लिए 7 ध्यान कुटियों का निर्माण किया गया है। 'महर्षि वन' की विशेषता यह है कि यहाँ भारतीय वैदिक परंपरा के प्रतीक सप्त ऋषि और ब्रह्म ऋषियों की कुल 12 प्रतिमाएँ स्थापित की गई हैं। इन महर्षियों ने भारतीय ज्ञान परंपरा, वेद, दर्शन, योग और आध्यात्मिक जीवन को दिशा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इन प्रतिमाओं के माध्यम से विशेषकर युवाओं को भारतीय संस्कृति और ऋषि परंपरा से परिचित कराने का प्रयास किया गया है। इसके अलावा पार्क में दो जल सरोवर, हरित क्षेत्र, योग अभ्यास के लिए समर्पित स्थान तथा समुचित प्रकाश व्यवस्था की भी व्यवस्था की गई है, जिससे नागरिकों को स्वच्छ, सुरक्षित और प्रेरणादायी वातावरण मिल सके। इस मौके पर जनप्रतिनिधियों ने कहा कि इस प्रकार की परियोजनाएँ शहर में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के साथ-साथ समाज को भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ने का कार्य करती हैं।

भाकियू निर्धन उत्थान संगठन की बैठक हुई संपन्न

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। भारतीय किसान यूनियन निर्धन उत्थान संगठन की बैठक सम्पन्न, कई पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी। भारतीय किसान यूनियन निर्धन उत्थान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष महाराज सिंह का कार्यकताओं और क्षेत्रीय जनता द्वारा पुष्प मालाओं और नोटों का हार पहनाकर जोरदार व भव्य स्वागत सम्मान किया गया।इस दौरान पूरे परिसर में किसान ए कता के नारे गूंजते रहे और माहौल उत्साहपूर्ण बना रहा।बैठक के दौरान संगठन विस्तार को लेकर कई महत्वपूर्ण नियुक्तियों कि घोषणा की गईं। राष्ट्रीय अध्यक्ष महाराज सिंह ने संगठन मजबूत करने के उद्देश्य से विभिन्न पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी।जिसमें यज्ञदत्त उर्फ शिवकांत को ब्लॉक संगठन मंत्री पहासू, धर्मेंद्र कुमार को ब्लॉक महा मंत्री पहासू, सुरेंद्र सिंह को प्रचार-प्रसार मंत्री पहासू, अरुण कुमार को प्रदेश मंत्री, दीपक कुमार चौधरी को युवा मंडल अध्यक्ष मेरठ, मुकेश कुमार चौधरी को मंडल संगठन मंत्री मेरठ, तथा कृष्ण कुमार को प्रदेश मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया। इस अवसर पर प्रदीप कुमार अशोक एडवोकेट रामवीर सिंह चौधरी, भूरा चौधरी, मिथुन कुमार, राकेश गौतम, प्रवेश गौतम उर्फ पवन,मनोज कुमार नाई, दिनेश कुमार आदि अनेक गणमान्य लोग मौजूद उपस्थित रहे।

चांदपुर में निर्माणधीन मकान की दीवार गिरने से महिला की मौत

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुगरासी(स्याना)। स्याना कोतवाली क्षेत्र के गांव चांदपुर में निर्माण दीन मकान की दीवार गिरने से एक महिला की मौत हो गई जबकि एक महिला व एक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को फौरन उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्याना मे भर्ती कराया गया लेकिन उनकी हालत को गंभीर देखते हुए मेरठ हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया। घायलों की हालत नाजुक बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार चांदपुर निवासी भूरा लोधी के मकान का निर्माण कार्य चल रहा था। निर्माण कार्य के दौरान दीवार अचानक भर भरा कर गिर गई। दीवार के मलबे में दबकर ममता पत्नी पत्नी धर्मेंद्र 37, कुश 5 वर्ष पुत्र ललित घायल हो गये तथा किरन पत्नी छत्तर सिंह उम्र 42 वर्ष। गंभीर रूप से घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने किरन पत्नी छत्तर को मृत घोषित कर दिया।मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।घायल ममता को उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर भारी भीड़ एकत्रित हो गई सूचना मिलते ही मौके पर कोतवाली पुलिस व नायब तहसीलदार सुलभ गुप्ता ने परिजनों से बातचीत की। कोतवाली प्रभारी यज्ञदत्त शर्मा ने बताया कि मृतक के शव कापंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया गया है। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कर दियागया है।

प्रभारी मंत्री ने डीएम एसएसपी सीडीओ तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ की बैठक

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। सोमवार को जनपद के प्रभारी मंत्री डॉ0 अरूण कुमार सक्सेना ने लोनिवि गेस्ट हाउस सभागार में जिलाधिकारी श्रुति, एसएसपी दिनेश कुमार सिंह, सीडीओ सुश्री निशा ग्रेवाल सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए जनपद में संचालित सरकार की लाभार्थीपरक योजनाओं एवं विकास कार्यों तथा कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर विधायक सदर प्रदीप चौधरी विधायक सिकंदराबाद लक्ष्मी राज सिंह, विधायक स्याना देवेन्द्र सिंह लोधी उपस्थित रहे।

आगामी नवरात्रि त्यौहारों को लेकर ईओ द्वारा नगर के विभिन्न मंदिरों का किया गया निरीक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर। आगामी चैत्र नवरात्रि (दिनांक 19 मार्च 2026 से) के दृष्टिगत सोमवार को अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद शिकारपुर सुश्री नीतू सिंह द्वारा नगर के विभिन्न मंदिरों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिशासी अधिकारी द्वारा सफाई प्रभारी जामिन अली एवं समस्त कार्यवाहक सफाई नायकों को मंदिरों के आसपास विशेष सफाई अभियान चलाने, घास की कटाई, नाला/नाली की सफाई कराने तथा चूना छिड़काव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, जिससे नवरात्रि के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। इसके साथ ही स्विचमैन रितिक शर्मा को मंदिरों के आसपास समुचित प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, ताकि रात्रि के समय भी श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। निरीक्षण के दौरान माँ चामुण्डा मंदिर के निकट हो रहे अतिक्रमण को हटाने के लिए भी संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी महोदया ने नगरवासियों से अपील करते हुए कहा कि आगामी पावन नवरात्रि पर्व के दौरान मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ बनाए रखने में नगर पालिका का सहयोग करें, कूड़ा इधर-उधर न फैलाएँ तथा प्रतिबंधित प्लास्टिक का प्रयोग न करें। उन्होंने कहा कि स्वच्छता बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है और सभी के सहयोग से ही नगर को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाया जा सकता है।

परीक्षा देने निकली छात्रा को भगाने वाला गिरफ्तार, छात्रा बरामद

वेलकम इंडिया संवाददाता

मिजार्मुराद। मिजार्मुराद पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर सोमवार की सुबह खजुरी पुलिस चौकी से 300 मीटर आगे वाहन का इंतजार कर रहे एक युवक को गिरफ्तार करते हुए नाबालिग छात्रा को बरामद कर ली। मिजार्मुराद थाना प्रभारी प्रमोद कुमार पांडेय ने बताया कि मिजार्मुराद क्षेत्र की एक नाबालिग 15 वर्षीया छात्रा बीते 11 मार्च को पेपर देने घर से कालेज के लिए निकली थी और लापता हो गई थी।छात्रा की मां के तहरीर पर रविवार को बेनीपुर चंगवार गांव निवासी रोहित नामक युवक के खिलाफ छात्रा को बहला-फुसलाकर कर भगा ले जाने का मुकदमा दर्ज किया गया।उसी समय से पुलिस युवक के तलाश में लगी थी।सोमवार को खजुरी चौकी प्रभारी गणेश पटेल चौकी पर मौजूद थे तभी मुखबिर से सूचना मिली कि छात्रा को भगाने वाले युवक छात्रा के साथ चौकी से 300 मीटर आगे किसी गाड़ी का इंतजार कर रहा है।चौकी प्रभारी पुलिस टीम के साथ घेराबंदी कर आरोपी युवक रोहित प्रजापति को गिरफ्तार करते हुए छात्रा को बरामद कर लिया।युवक ने बताया कि छात्रा से प्यार करता है और करीब छह महीनों से उसकी बातचीत होती थी इसी लिए लेकर भाग गया था पैसा खत्म होने पर वापस घर जा रहा था।पुलिस ने लिखापढ़ी करने के बाद आरोपी युवक को दोपहर में जेल भेज दी।

नवरात्र व राम नवमी पर मेरठ रेंज में कड़े सुरक्षा प्रबंध, 06 एएसपी समेत हजारों पुलिसकर्मी तैनात

राजेंद्र सिंह

मेरठ(वेलकम इंडिया)। आगामी चैत्र नवरात्र और राम नवमी के पर्व को सकुशल संपन्न कराने के लिए मेरठ रेंज में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है। कानून व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए रेंज के सभी जनपदों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।पुलिस के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था के तहत पूरे परिक्षेत्र में 06 अपर पुलिस अधीक्षक, 22 क्षेत्राधिकारी, 86 निरीक्षक, 631 उपनिरीक्षक, 1115 मुख्य आरक्षी, 1265 आरक्षी, 705 होमगार्ड/पीआरडी जवान तथा 03 कंपनी पीएसी की ड्यूटी लगाई गई है।चैत्र नवरात्र और रामनवमी के अवसर पर मेरठ रेंज के मेरठ, बुलंदशहर, बागपत और हापुड़ जनपदों में कुल 96 शोभायात्राएं, 35 मेले और 20 अन्य धार्मिक कार्यक्रम (पूजा-अर्चना, भंडारा आदि) प्रस्तावित हैं। शोभायात्राओं के मार्गों में पड़ने वाले कई स्थानों को संवेदनशील और हॉटस्पॉट के रूप में चिन्हित किया गया है।जनपदवार कार्यक्रमों की बात करें तो मेरठ में 16 शोभायात्राएं और 11 मेले, बुलंदशहर में 42 शोभायात्राएं और 14 मेले, बागपत में 4 शोभायात्राएं और 3 मेले तथा हापुड़ में 34 शोभायात्राएं और 7 मेले आयोजित किए जाएंगे। रेंज में कुल 100 स्थानों को संवेदनशील/हॉटस्पॉट के रूप में चिन्हित किया गया है, जहां सुरक्षा के लिए 23 जोन, 79 सेक्टर और 56 क्यूआरटी का गठन किया गया है।त्योहारों के शांतिपूर्ण आयोजन के लिए पुलिस द्वारा व्यापक स्तर पर बैठकें भी आयोजित की गई हैं। इसके तहत पीस कमेटी, धर्मगुरुओं और शांति समिति के साथ 122 बैठकें, नगर निगम, स्वास्थ्य, विद्युत जैसे विभागों के साथ 108 बैठकें तथा आयोजकों और संयोजकों के साथ 111 गोष्ठियां आयोजित की जा चुकी हैं।इस वर्ष 19 मार्च 2026 से चैत्र नवरात्र प्रारंभ होंगे, जबकि 26 मार्च को दुर्गा अष्टमी और 27 मार्च को राम नवमी का पर्व मनाया जाएगा। इन दिनों मंदिरों और पंडालों में पूजा-अर्चना के साथ ही रामनवमी पर बड़ी संख्या में शोभायात्राएं और मेले आयोजित किए जाते हैं।मेरठ रेंज के डीआईजी कलानिधि नैथानी ने सभी जनपद प्रभारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि नवरात्र की शुरूआत रमजान माह के दौरान हो रही है, ऐसे में मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जाए और आयोजकों से समन्वय बनाकर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।उन्होंने निर्देश दिए कि धार्मिक स्थलों की नियमित चेकिंग, मंदिरों और मेलों के मार्गों पर पैदल गश्त, रात्रि पिकेट और मोबाइल पेट्रोलिंग की व्यवस्था की जाए। साथ ही एंटी रोमियो स्क्वॉड को भी सक्रिय रखा जाए। शोभायात्राओं के मार्गों में बिजली के ढीले तारों और अन्य बाधाओं को पहले से हटाने के निर्देश भी दिए गए हैं।इसके अलावा असामाजिक तत्वों, अफवाह फैलाने वालों और सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने वालों पर कड़ी नजर रखने को कहा गया है। संवेदनशील क्षेत्रों में पिकेट और लगातार पेट्रोलिंग की व्यवस्था करने के साथ ही जुलूस मार्गों की वीडियोग्राफी और सीसीटीवी से निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

दो दिन बाद भी नही लगा हत्यारों का कोई सुराग

बुगरासी(वेलकम इंडिया)। रविवार को चौकी बुगरासी के गांव घुंघरावली के जंगल में मिली महिला की सिर कटी लाश के हत्यारों का स्थानीय पुलिस दो दिन बाद भी कोई सुराग नही लगा पाई है। क्षेत्र में चचाओं का बाजार गर्म है कि स्थानीय पुलिस के बसकी घटना को खोलना नही है। अंधेरे में तीर भी चलायें जांय तो शायद कुछ मंजिल तय हो पाये। वहीं एसओ नरसेना रामकिशोर गौतम का कहना है कि हमने घटना के खुलासे के लिए 6 टीम गठित कर जांच पड़ताल की जा रही है।शीघ्र ही घटना का खुलासा कर दोषियों को कानून के होने का सबक सिखाया जायेगा।

पीड़ित ने मारपीट गाली गलौज जान से मारने की धमकी देने वाले तीन लोगों के खिलाफ कराई रिपोर्ट दर्ज

अहमदगढ(वेलकम इंडिया)। अहमदगढ़ थाना क्षेत्र के गांव हजरतपुर में शिवओम पुत्र धीर सिंह निवासी गांव हजरतपुर ने तीन लोगों पर मारपीट जान से मारने की धमकी का आरोप लगाते हुए कराई रिपोर्ट दर्ज पुलिस जांच पड़ताल में जुटी। पीड़ित शिव ओम ने बताया है कि मेरे व पिताजी के साथ गांव के ही तीन लोगों ने मारपीट गाली गलौज व जान से मारने की धमकी दी है मैंने तीनों लोगों के विरुद्ध थाने में तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराई है। तहरीर में राहुल पुत्र हिम्मत सिंह रोहित पुत्र हिम्मत सिंह व हिम्मत सिंह पुत्र सबरजीत सिंह को नामजद किया गया है इन सभी के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। उधर अहमदगढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक प्रेमचंद शर्मा ने बताया है कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर तीन लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज कर पुलिस जांच पड़ताल कर रही है।

मन्दिर के पुजारी को मंदिर से गाड़ी हटवाना पड़ा महंगा

शिकारपुर(वेलकम इंडिया)।। नगर से जलालपुर मार्ग पर अब्दुल्लापुर हुलासन के पास बने मंदिर पर पिछले लंबे समय से एक पुजारी पूरन सिंह पुत्र अभय सिंह रहता था। शुक्रवार–शनिवार की रात गांव के ही दो व्यक्तियों ने मंदिर पर गाड़ी खड़ी कर दी जिसका विरोध मंदिर के पुजारी द्वारा किया गया। दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ने पर सूचना पर पहुंची पुलिस को आता देख दोनों युवक मौके से फरार हो गए। इतना ही नहीं कुछ देर बाद लौटने पर पुजारी के साथ हाथापाई की जिसमें पुजारी गंभीर रूप से घायल हो गया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक चंदगीराम ने बताया कि मामला संज्ञान में है मुकदमा पंजीकृत किया जा रहा है।

केंद्रीय कांच एवं सिरेमिक अनुसंधान केंद्र खुर्जा एक दिवसीय एक्सपोजर विजिट सफलता पूर्वक संपन्न

वेलकम इंडिया संवाददाता

पहासू। सोमवार पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बेसिक शिक्षा विभाग पहासू के परिषदीय छात्रों का एक दिवसीय एक्सपोजर विजिट केंद्रीय कांच एवं अनुसंधान केंद्र खुर्जा पर सफलता पूर्वक संपन्न हुआ।

इस मौके पर ब्लॉक से13 शिक्षकों के साथ छात्रों ने कस्तूरबा विद्यालय पहासू से खुर्जा के लिए प्रस्थान किया खंड शिक्षा अधिकारी अमित कुमार गुप्ता द्वारा सभी वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया खुर्जा पहुंचकर शिक्षकों की देखरेख में सभी बच्चों ने अनुसंधान संस्थान में पहुंचकर नई-नई तकनीकी जानकारी प्राप्त की तथा संस्थान प्रभारी ने सभी बच्चों को अनुसंधान के बारे में विस्तार से बताया। छात्रों द्वारा सीखने के लिए काफी ज्ञान प्राप्त हुआ इस मौके पर मुकेश कुमार मेघ सिंह पुष्पेंद्र शर्मा अनुराग एआरपी रूपचंद एआरपी सुशील शर्मा अनामिका सिंह लक्ष्मण सिंह चंद्रपाल शर्मा रविकांत राजकुमार कौशिक वीरेंद्र सिंह हरिराम रौदास सिंह मुकेश कुमार एवं समस्त छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

शोक की लहर: खीरी के 'हरदिल अजीज' पत्रकार मोहम्मद अशरफ खान का इंतकाल

कस्बा खीरी

लखीमपुर(वेलकम इंडिया)। पत्रकारिता जगत और समाजसेवा के क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान रखने वाले, खीरी एकता परिषद के अध्यक्ष एवं 'खीरी सत्य' न्यूज चैनल के प्रमुख मोहम्मद अशरफ खान अब हमारे बीच नहीं रहे। लंबी बीमारी से जूझते हुए रविवार, 15 मार्च को लखनऊ के एक अस्पताल में दोपहर लगभग 2 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर जैसे ही कस्बा खीरी पहुंची, पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

संघर्षपूर्ण और सेवाभावी जीवन

मोहल्ला सैय्यद वाडा के निवासी मोहम्मद अशरफ खान न केवल एक निडर पत्रकार थे, बल्कि वे कौमी एकता और सामाजिक सद्भाव के एक बड़े पैरोकार भी थे। 'खीरी एकता परिषद' के माध्यम से उन्होंने वर्षों तक लोगों को एकजुट करने और मजलूमों की आवाज उठाने का काम किया। उनके डिजिटल प्लेटफॉर्म 'खीरी सत्य' ने कस्बे की छोटी-बड़ी समस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

लखनऊ में ली अंतिम सांस, कस्बे में पसरा सन्नाटा

पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, खान साहब पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे और उनका उपचार लखनऊ से चल रहा था। रविवार दोपहर उनके निधन की सूचना मिलते ही उनके चाहने वाले स्तब्ध रह गए। देर शाम जब उनका पार्थिव शरीर एम्बुलेंस से उनके पैतृक निवास सैय्यद वाडा लाया गया, तो उनके अंतिम दर्शन के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा। कस्बे के बाजार और गलियों में सन्नाटा पसरा रहा और हर आंख नम नजर आई।

गमगीन माहौल में सुपुर्दे-खाक

रात लगभग 9 बजे जनाजे की नमाज ऐतिहासिक दरगाह शरीफ के मैदान में अदा की गई। इसमें हिंदू-मुस्लिम दोनों समुदायों के लोग, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, पत्रकार साथी और गणमान्य नागरिक शामिल हुए। इसके पश्चात, मीराताल स्थित कब्रिस्तान में उन्हें गमगीन माहौल में सुपुर्दे-खाक कर दिया गया। जनाजे के दौरान उपस्थित लोगों ने कहा कि अशरफ खान साहब की कमी कभी पूरी नहीं की जा सकती। वे केवल एक पत्रकार नहीं, बल्कि खीरी की गंगा-जमुनी तहजीब के रक्षक थे। उनके निधन पर विभिन्न सामाजिक संगठनों और प्रेस क्लबों ने गहरा दुख व्यक्त किया है। स्थानीय निवासियों ने कहा: अशरफ भाई ने हमेशा सच का साथ दिया। वे हर दिल अजीज थे और उनके दरवाजे हर जरूरतमंद के लिए हमेशा खुले रहते थे। मोहम्मद अशरफ खान अपने पीछे एक भरा-पूरा परिवार और प्रशंसकों की एक लंबी कतार छोड़ गए हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के चौथे दिवस शैक्षिक एवं जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। मुल्तानीमल मोदी कॉलेज, मोदीनगर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के चौथे दिवस विभिन्न सामाजिक, शैक्षिक एवं जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रातः प्रार्थना एवं परिसर की सफाई से हुई, जिसके बाद स्वयंसेवकों की सुबह की उपस्थिति दर्ज की गई।

चारों इकाइयों के स्वयंसेवक अपने-अपने कार्यक्रम अधिकारियों के साथ निर्धारित शिविर स्थलों पर स्वच्छता जागरूकता रैली निकालते हुए पहुंचे। इस दौरान स्वयंसेवकों ने ग्रामीणों से अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने तथा स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का आग्रह किया। रैली के बाद सभी स्वयंसेवक शिविर कार्यालय सरस्वती विद्या मंदिर, गदाना में एकत्रित हुए और अपनी-अपनी इकाइयों की गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसके बाद स्वयंसेवकों को दोपहर का भोजन कराया गया। दोपहर बाद आयोजित बौद्धिक कार्यक्रम में राजनीति विज्ञान विभाग के रिसर्च स्कॉलर्स (खफ्र्क्ष) प्रवीण, रागिनी, अर्चना, रवीश, वेद प्रकाश एवं रश्मि गौतम, इतिहास विभाग के रिसर्च स्कॉलर विशाल तथा जूलॉजी विभाग की रिसर्च स्कॉलर सोनम ने अपने शोध विषयों, उच्च शिक्षा के अवसरों तथा जूनियर रिसर्च फेलोशिप (खफ्र्क्ष) से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी स्वयंसेवकों के साथ साझा की। इसके पश्चात वनस्पति विज्ञान विभाग से अनुपम अवस्थी ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर व्याख्यान दिया। वहीं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की नगर अध्यक्ष प्राची सहित अन्य स्वयंसेवकों ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के रोडमैप पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अगले चरण में स्वयंसेवकों ने दिनभर की गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए अपने अनुभव साझा किए। इसके पश्चात प्रतिदिन की तरह समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें सभी कार्यक्रम अधिकारी एवं स्वयंसेवक शामिल हुए। बैठक में आगामी 19 मार्च को होने वाले समापन समारोह की तैयारियों की समीक्षा की गई तथा आवश्यक सुझाव दिए गए। विशेष शिविर के चौथे दिन की शाम को होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा चारों इकाईयों के कार्यक्रम अधिकारी द्वारा सभी स्वयंसेवकों के मध्य रखी गई।

ग्राम डिडौली में रोजा इफ्तार पार्टी का आयोजन

सपा प्रदेश के महासचिव गिरीश माधुरिया सैन की रही उपस्थिति

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। पवित्र रमजान माह के अवसर पर ग्राम डिडौली में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता इंतजार खान एवं उनके छोटे भाई, पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता दिलशाद खान द्वारा भव्य रोजा इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के प्रदेश महासचिव, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ गिरीश माधुरिया सैन ने मुख्य रूप से उपस्थित होकर सभी को रमजान की शुभकामनाएँ दीं और आपसी भाईचारे, प्रेम व सद्भाव का संदेश दिया।

इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने एक साथ रोजा इफ्तार कर देश में अमन-चैन, भाईचारा और तरक्की की दुआ की। अपने संबोधन में वक्ताओं ने कहा कि ऐसे सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रम समाज में एकता, सौहार्द और भाईचारे को मजबूत करते हैं तथा समाजवादी विचारधारा को आगे बढ़ाने का कार्य करते हैं।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पूर्व जिला उपाध्यक्ष ओबीसी वर्ग बल्लू सीकरी, ज्ञानेंद्र वर्मा, सामिल सैफी, सोनू खान निवाड़ी, हुसैन सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली ने सड़क निर्माण कार्य का किया विधिवत शुभारंभ

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। सीकरी फाटक स्थित डी-लाइन कॉलोनी में करीब 25 वर्षों से खराब पड़ी सड़क के निर्माण कार्य का आज शुभारंभ किया गया। नगर पालिका परिषद मोदीनगर के अध्यक्ष विनोद वैशाली ने सड़क निर्माण का विधिवत शुभारंभ किया। स्थानीय लोगों के अनुसार पिछले कई वर्षों से सड़क की स्थिति बेहद खराब थी, जिसके कारण कॉलोनी वासियों को आने-जाने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। खासकर बरसात के मौसम में सड़क पर जलभराव और कीचड़ की वजह से लोगों का निकलना मुश्किल हो जाता था। नगर पालिका परिषद मोदीनगर के अध्यक्ष विनोद वैशाली ने सड़क निर्माण का विधिवत शुभारंभ किया।

पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली ने कहा कि नगर के विकास और जनता को बेहतर सुविधाएं देना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में लंबे समय से सड़क और अन्य मूलभूत सुविधाओं की समस्या है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जा रहा है। इस मौके पर वार्ड सभासद मोनू धाम, संदीप सागवान, सप्पू गुर्जर सहित डी-लाइन कॉलोनी के अनेक लोग मौजूद रहे। सड़क निर्माण शुरू होने से क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल है।

एसआरएम आईएसटी में 'आरोग्य शक्ति' स्वास्थ्य परीक्षण एवं जागरूकता शिविर आयोजित

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। एसआरएम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली-एनसीआर परिसर, मोदीनगर में निःशुल्क 'आरोग्य शक्ति स्वास्थ्य परीक्षण एवं जागरूकता शिविर' का आयोजन किया गया। यह शिविर कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय, तेल मिल गेट मोदीनगर, नियो हॉस्पिटल, सेक्टर-50 नोएडा तथा क्लोव डेंटल, नोएडा के सहयोग से संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम एसआरएम आईएसटी दिल्ली-एनसीआर कैंपस के निदेशक डॉ. एस. विश्वनाथन के दिशा-निर्देशों तथा डॉ. आर. पी. महापात्रा (डीन), डॉ. धौम्या भट्ट (डीन - आईक्यूएसी), डॉ. गीता

भवानी (डीन - विज्ञान एवं मानविकी), डॉ. नवीन अहलावत (डीन - कैंपस लाइफ / शिविर समन्वयक) एवं सीएमओ ईएसआईसी डॉ. सुनीता सिंह के सहयोग से आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ. सुनीता सिंह ने प्रतिभागियों को सर्वाइकल कैंसर के संभावित लक्षणों एवं उसके उपचार के प्रति जागरूक किया।

शिविर का समन्वयन चीफ प्रॉक्टर डॉ. पंकज वार्ष्णेय तथा डिप्टी प्रॉक्टर राकेश पांडेय एवं विनोद उपाध्याय द्वारा किया गया। इस शिविर का उद्देश्य संस्थान के शिक्षकों एवं कर्मचारियों के बीच स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा संभावित स्वास्थ्य समस्याओं का समय रहते पता लगाना था।

शिविर में प्रतिभागियों को सामान्य स्वास्थ्य जांच, रक्तचाप मापन, रक्त शर्करा परीक्षण, हृदय स्वास्थ्य के लिए ईसीजी जांच तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श जैसी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। लगभग 125 शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने इस शिविर में भाग लेकर निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। इस कार्यक्रम ने न केवल संस्थान और ईएसआईसी के बीच सहयोग को मजबूत किया, बल्कि शिक्षकों एवं कर्मचारियों में स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति जागरूकता तथा जिम्मेदारी की भावना को भी प्रोत्साहित किया।

पावन स्मृति में रक्तदान शिविर एवं भंडारे का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। ग्राम मोरटा में अंकुश त्यागी (जिला अध्यक्ष, सहकारिता प्रकोष्ठ) की माता जी स्वर्गीय श्रीमती सुमित्रा देवी, पत्नी श्री ब्रह्मराज त्यागी की पावन स्मृति में आयोजित पाँचवें रक्तदान शिविर एवं भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रालोद के वरिष्ठ नेता दीपक चौधरी ने पहुँचकर सबसे पहले स्वर्गीय श्रीमती सुमित्रा देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके पश्चात उन्होंने रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। इस अवसर पर दीपक चौधरी ने कहा कि रक्तदान महादान है और यह किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने समाज के लोगों से समय-समय पर रक्तदान करने की अपील की। कार्यक्रम में ग्राम मोरटा के अनेक गणमान्य लोग व ग्रामीण उपस्थित रहे।

महामाया देवी मंदिर के 500 मीटर के अंदर मुस्लिमों की दुकानें नहीं लगने दी जाएगी

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। महामाया देवी मंदिर के 500 मीटर के अंदर मुस्लिमों की दुकानें न लगने के सुदर्शन राष्ट्र निर्माण हिन्दूवादी संगठन के पदाधिकारियों द्वारा धरना प्रदर्शन तहसील मोदीनगर में किया गया। एसडीएम मोदीनगर को ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें यह मांग की गई कि ऐतिहासिक महामाया मंदिर सीकरी वाली माता के मंदिर में नवरात्रि के पावन पर्व पर बड़ी संख्या में भक्त उत्तर प्रदेश व विभिन्न राज्यो से प्रसाद चढ़ाकर मनोकामना पूर्ति के लिए आते हैं।

ज्ञापन देकर यह मांग की गई कि नवरात्रि के पावन पर्व पर महामाया सीकरी मन्दिर के आसपास हिंदू धर्म के लोगों के अलावा मुसलमानों की फल,प्रसाद,जूस, झूले व अन्य सामानों की दुकानो को तत्काल प्रभाव से मन्दिर परिसर से 500 मीटर तक की दूरी तक प्रतिबंधित किया जाए तथा जो भी दुकान/ठीए हिंदुओं को आवंटित की गई है उन पर बड़े-बड़े अक्षरों में उनके नाम, दुकानों के कारीगरों के नाम (व मोबाइल नंबर अंकित किए जाएं और नवरात्रों तक तहसील मोदीनगर क्षेत्र के अंदर सभी मीट व मांस की दुकानों/होटलों को तत्काल प्रभाव से बंद कर मेले की संपूर्ण व्यवस्था को चाक चौबंद बंद किया जाए। ज्ञापन देने वाले अन्य हिंदूवादी संगठनों जिनमें विश्व सनातन हिंदू वाहिनी, सत्य सनातन युवा वाहिनी,हिंदू जागरण मंच,हिन्दू समाज पार्टी, बजरंग दल के पदाधिकारियों व कार्यकताओं ने भी एसडीएम को ज्ञापन देकर उपरोक्त मांग का पूर्ण समर्थन कर माता महामाया सीकरी वाली मंदिर के परिसर से 500 मीटर की दूरी तक मुसलमानों की दुकाने न लगाएं जाने की मांग का समर्थन किया। इस मौके पर राज वर्मा,अरुण चौधरी, विकास चौधरी, प्रतीक त्यागी,पंकज कंसल, धीरेन्द्र शर्मा, अनिल जैन,कृष्ण कुमार, चंद्रपाल चौधरी, ज़िले सिंह, सीमा शर्मा, जितेंद्र चौधरी, कविता चौधरी,बबलू चौधरी, प्रवीण, रोहित खटीक, सुखबीर सिंह,चंद्रपाल सिंह,दीपक आदि सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस पर एसडीएम मोदीनगर ने तत्काल कार्रवाई का आश्वासन दिया।

डॉ. केएन मोदी विश्वविद्यालय और हार्वर्ड बिजनेस इम्पैक्ट के बीच एमओयू

छात्रों को मिलेगा वैश्विक प्रबंधन कौशल का प्रशिक्षण

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। डॉ. केएन मोदी विश्वविद्यालय, मोदीनगर ने छात्रों को वैश्विक स्तर की शिक्षा और आधुनिक प्रबंधन कौशल प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हार्वर्ड बिजनेस इम्पैक्ट के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत विश्वविद्यालय के एमबीए पाठ्यक्रम में हार्वर्ड बिजनेस इम्पैक्ट के सहयोग से विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे।

विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार इस पहल के अंतर्गत एमबीए के विद्यार्थियों को एक वर्ष के दौरान 12 हार्वर्ड बिजनेस इम्पैक्ट सर्टिफिकेट प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। इससे छात्रों को वैश्विक व्यापार, प्रबंधन और नेतृत्व कौशल की बेहतर समझ विकसित करने में सहायता मिलेगी तथा वे आधुनिक कॉरपोरेट जगत की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हो सकेंगे। बताया गया कि यह कार्यक्रम सेल्फ-पेस्ड लर्निंग प्रणाली पर आधारित होगा, जिसमें विद्यार्थियों को अपनी गति के अनुसार अध्ययन करने की सुविधा मिलेगी। साथ ही उनकी प्रगति की नियमित निगरानी भी की जाएगी, जिससे उन्हें प्रबंधन और नेतृत्व के नवीनतम सिद्धांतों से अवगत कराया जा सके।

विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि यह पहल छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की व्यावसायिक समझ प्रदान करने के साथ-साथ उनके करियर को नई दिशा देने में भी सहायक सिद्ध होगी। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को उद्योग जगत की जरूरतों के अनुरूप तैयार किया जाएगा।

शिक्षा क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के अंतरराष्ट्रीय सहयोग से विद्यार्थियों को वैश्विक दृष्टिकोण मिलता है और उनकी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता में भी वृद्धि होती है। विश्वविद्यालय का यह कदम छात्रों को पेशेवर रूप से सक्षम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

टीईटी अनिवार्यता के खिलाफ शिक्षकों का पोस्टकार्ड आंदोलन तेज

आरटीई अधिनियम से पहले नियुक्त शिक्षकों पर टीईटी की अनिवार्यता खत्म करने की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। शिक्षक पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता के विरोध में सोमवार को जिले के हजारों शिक्षक इन दिनों पोस्टकार्ड अभियान चलाकर केंद्र सरकार का ध्यान अपनी मांगों की ओर आकर्षित कर रहे हैं। सर्वोच्च न्यायालय के हालिया निर्णय के बाद देशभर के सेवारत प्राथमिक शिक्षकों में चिंता का माहौल है। शिक्षकों का कहना है कि सेवा में बने रहने और पदोन्नति के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा अनिवार्य किए जाने से वर्षों से कार्यरत शिक्षकों के सामने अनिश्चितता की स्थिति उत्पन्न हो गई है। अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक महासंघ के महासचिव डॉ. अनुज त्यागी ने बताया कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 तथा राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद की 23 अगस्त 2010 की अधिसूचना से पहले नियुक्त शिक्षकों पर शिक्षक पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग को लेकर देशभर में अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में महासंघ के आ'ान पर गाजियाबाद जनपद में भी 'शिक्षक की पाती' अभियान के तहत शिक्षक बड़ी संख्या में पोस्टकार्ड और ईमेल के माध्यम से अपनी समस्याएं और मांगें सरकार तक पहुंचा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि पिछले एक सप्ताह के दौरान जिले के अनेक विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, भारत के मुख्य न्यायाधीश, नेता प्रतिपक्ष तथा मुख्यमंत्री को पोस्टकार्ड भेजकर अपनी पीड़ा और न्यायोचित मांगों से अवगत कराया है। शिक्षकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी और लगातार मिल रहे समर्थन को देखते हुए महासंघ ने इस अभियान को एक सप्ताह के लिए और बढ़ाने का निर्णय लिया है, ताकि अधिक से अधिक शिक्षक इस मुहिम से जुड़ सकें। महासंघ के अनुसार गाजियाबाद में यह पोस्टकार्ड अभियान 22 मार्च तक जारी रहेगा। इसके बाद देशभर के शिक्षक 13 अप्रैल को प्रत्येक जिला मुख्यालय पर मशाल जुलूस निकालकर अपना विरोध दर्ज कराएंगे। शिक्षकों ने चेतावनी दी है कि यदि इसके बाद भी केंद्र सरकार द्वारा अधिनियम में संशोधन नहीं किया गया या समस्या का समाधान नहीं निकाला गया तो शिक्षक संगठन देशव्यापी बड़े आंदोलन की रणनीति तैयार करेंगे। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष रविंद्र राणा और भोजपुर ब्लॉक अध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों शिक्षक उपस्थित रहे और उन्होंने एकजुट होकर अपनी मांगों को सरकार तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया।

चैत्र नवरात्रि 19 मार्च से, इस बार मां पालकी पर आएंगी

27 मार्च को रामनवमी का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाएगा

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। चैत्र नवरात्रि का पावन पर्व इस वर्ष 19 मार्च से आरंभ होगा और 27 मार्च को रामनवमी के साथ इसका समापन होगा। सिद्धपीठ श्री दूधेश्वर नाथ मठ महादेव मंदिर के पीठाधीश्वर, जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता तथा दिल्ली संत महामंडल के अध्यक्ष श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने बताया कि इस बार नवरात्रि में मां दुर्गा पालकी पर सवार होकर आएंगी और हाथी पर सवार होकर विदा होंगी। उन्होंने कहा कि हाथी पर प्रस्थान करना सुख-समृद्धि और खुशहाली का संकेत माना जाता है। श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने बताया कि चैत्र नवरात्रि को वासंतिक नवरात्रि भी कहा जाता है, क्योंकि यह वसंत ऋतु के दौरान आती है। सर्दी के समाप्त होने और गर्मी की शुरूआत के इस समय में प्रकृति में नए जीवन का संचार होता है। यह ऋतु परिवर्तन

का समय होता है, जिसे सनातन परंपरा में नई ऊर्जा, शक्ति और शुभ शुरूआत का प्रतीक माना गया है। इसी कारण इसे वसंत के नाम पर वासंती नवरात्रि कहा जाता है। उन्होंने बताया कि नवरात्रि का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है, क्योंकि यह शक्ति की उपासना का पर्व है। मान्यता है कि इसी दिन ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना की थी और माता पार्वती का जन्म भी इसी दिन हुआ था। इसी कारण नवरात्रि के पहले दिन मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा की जाती है। इसी दिन से हिंदू नववर्ष अर्थात विक्रम संवत का भी आरंभ माना जाता है। महाराजश्री के अनुसार 19 मार्च को घट स्थापना का शुभ मुहूर्त प्रातः 6 बजकर 52 मिनट से 7 बजकर 53 मिनट तक रहेगा। इसके अतिरिक्त अभिजीत मुहूर्त में दोपहर 12 बजकर 5 मिनट से 12 बजकर 53 मिनट तक भी कलश स्थापना करना शुभ माना गया है। उन्होंने बताया कि किसी भी पूजा या अनुष्ठान से पहले कलश स्थापना का विशेष महत्व होता है। शास्त्रों में कलश को भगवान विष्णु का स्वरूप माना गया है और प्रत्येक शुभ कार्य की शुरूआत कलश स्थापना के बाद ही की जाती है। नवरात्रि के नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। 19 मार्च को मां शैलपुत्री, 20 मार्च को मां ब्रह्मचारिणी, 21 मार्च को मां चंद्रघंटा, 22 मार्च को मां कूष्मांडा, 23 मार्च को मां स्कंदमाता, 24 मार्च को मां कात्यायनी, 25 मार्च को मां कालरात्रि, 26 मार्च को मां महागौरी की पूजा और कन्या पूजन होगा, जबकि 27 मार्च को मां सिद्धिदात्री की आराधना के साथ नवरात्रि का समापन होगा। इसी दिन रामनवमी का पर्व भी हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने बताया कि वर्ष में चार बार नवरात्रि आती है। इनमें चैत्र और शारदीय नवरात्रि सामान्य रूप से मनाई जाती हैं, जबकि दो नवरात्रि गुप्त होती हैं जिन्हें गुप्त नवरात्रि कहा जाता है। गुप्त नवरात्रि का विशेष महत्व तंत्र साधना के लिए माना जाता है और इसमें साधक विशेष रूप से माता की आराधना करते हैं। उन्होंने कहा कि नवरात्रि के दौरान व्रत, पूजा और साधना से शरीर और मन दोनों को नई ऊर्जा मिलती है। इस समय दुर्गा सप्तशती का पाठ और नवार्ण मंत्र 'ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे' का जाप करना अत्यंत शुभ माना जाता है। साथ ही मां महाकाली, मां महालक्ष्मी और मां महासरस्वती की आराधना करने से जीवन में शक्ति, सुख-समृद्धि और ज्ञान की प्राप्ति होती है।

गर्मी शुरू होते ही बिजली की आंख-मिचौली, कई इलाकों में घंटों गुल रही आपूर्ति

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। गर्मी का मौसम शुरू होते ही शहर में बिजली की आंख-मिचौली भी शुरू हो गई है। सोमवार को वैशाली समेत कई इलाकों में बिजली कटौती और बार-बार ट्रिपिंग से लोगों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय निवासियों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से बिना सूचना के बिजली गुल होने की समस्या बढ़ती जा रही है। वैशाली क्षेत्र के लोगों ने सोमवार सुबह करीब एक से डेढ़ घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहने की शिकायत की। स्थानीय निवासी रोहित ने बताया कि क्षेत्र में बार-बार बिजली ट्रिप होने से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। दिन में तीन से चार बार ट्रिपिंग होने से बिजली अचानक चली जाती है, जिससे घरों और कार्यालयों का काम प्रभावित हो रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले सप्ताह भर से यह समस्या लगातार बनी हुई है। वहीं वसुंधरा सेक्टर-12 में रविवार रात तीन घंटे से अधिक समय तक बिजली गुल रहने से लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। क्षेत्र निवासी गौरव अग्रवाल ने बिजली कटौती की शिकायत विभाग के एक्स हैंडल पर दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि इलाके में लगातार बिजली कटौती की समस्या बढ़ती जा रही है। इसके अलावा साहिबाबाद की राजबाग कॉलोनी और वसुंधरा सेक्टर-1 में भी दो से तीन घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहने की शिकायत सामने आई। वसुंधरा निवासी हिमांशु ने भी इंटरनेट मीडिया के माध्यम से विभाग के एक्स हैंडल पर शिकायत दर्ज कराई। उनका कहना है कि शिकायत दर्ज कराने के लिए 1912 हेल्पलाइन नंबर पर कई बार प्रयास करने के बाद भी कॉल नहीं लगती, जिससे बिना सूचना की कटौती के बारे में लोगों को जानकारी नहीं मिल पाती। इस संबंध में विद्युत निगम जोन-3 के कार्यकारी मुख्य अभियंता पवन अग्रवाल ने बताया कि सभी शिकायतों का समय पर निस्तारण कराया जा रहा है। कुछ क्षेत्रों में स्थानीय फॉल्ट के कारण बिजली आपूर्ति बाधित हुई थी, लेकिन विभाग की टीम को मौके पर भेजकर समस्या का समाधान कर दिया गया और आपूर्ति को सुचारू कर दिया गया है।

जन शिकायतों पर सख्त हुआ नगर निगम, पेंडिंग मामलों के जल्द निस्तारण के निर्देश

शहर के 1400 पार्कों में घास, फुलवारी और पानी की व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने की योजना

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। शहर में जनसमस्याओं के त्वरित समाधान और पेंडिंग शिकायतों के निस्तारण को लेकर नगर निगम ने सख्ती दिखानी शुरू कर दी है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश पर सोमवार को मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी और प्रभारी उद्यान डॉ. अनुज कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से दोनों विभागों की टीम के साथ बैठक कर कार्यों की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में निर्माण और उद्यान विभाग के अधिशासी अभियंता, अवर अभियंता, सुपरवाइजर और उद्यान विभाग के हेडमाली भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने शहर के पार्कों की स्थिति, निर्माण कार्यों और जन शिकायतों के निस्तारण को लेकर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान यह तय किया गया कि उद्यान और निर्माण विभाग शहर हित में संयुक्त रूप से अभियान चलाकर पार्कों के रखरखाव और मरम्मत कार्यों को तेज करेंगे। बैठक में शहर के लगभग 1400 पार्कों में लगे नलकूपों की स्थिति की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि गर्मी के मौसम में पार्कों में पानी की जरूरत बढ़ जाती है, इसलिए सभी हेडमाली और सुपरवाइजर को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्र के पार्कों में लगे नलकूपों की स्थिति का निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार करें। जिन नलकूपों में खराबी है, उनकी संख्या चिन्हित कर उन्हें जल्द से जल्द ठीक कराने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों ने कहा कि पार्कों में मरम्मत कार्यों के साथ-साथ घास, पौधों और फुलवारी का भी विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि शहर की हरियाली और सुंदरता बनी रहे। इसके साथ ही पार्कों में सफाई, सिंचाई और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को भी बेहतर बनाने के लिए कार्ययोजना तैयार की जा रही है। बैठक के दौरान 311 एप के माध्यम से प्राप्त होने वाली शिकायतों के निस्तारण पर भी विशेष रूप से चर्चा की गई। अधिकारियों के अनुसार प्रतिदिन 311 एप के जरिए लगभग 180 शिकायतें प्राप्त होती हैं, जिन पर उसी दिन कार्रवाई करने का प्रयास किया जाता है। हालांकि इनमें से अधिकांश शिकायतें निर्माण विभाग से संबंधित पाई गई हैं, जिनके लंबित रहने पर मुख्य अभियंता निर्माण ने नाराजगी जताते हुए टीम को सख्त निर्देश दिए। मुख्य अभियंता नरेंद्र कुमार चौधरी ने कहा कि 311 एप पर आने वाली शिकायतों का तेजी से और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन शिकायतों में नागरिकों की मांगें शामिल हैं, उन्हें जनहित योजनाओं में शामिल करने के लिए भी कार्ययोजना बनाई जाए, ताकि शहरवासियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

वहीं प्रभारी उद्यान डॉ. अनुज कुमार सिंह ने कहा कि उद्यान विभाग से संबंधित शिकायतें 311 एप पर अपेक्षाकृत कम आती हैं, लेकिन जो भी शिकायतें मिलती हैं उनका त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाता है। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से कहा कि इस व्यवस्था को आगे भी बनाए रखा जाए और पार्कों के रखरखाव में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि नगर आयुक्त के निदेर्शानुसार शहर में जन समस्याओं के समाधान को लेकर लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। सभी विभागों के अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र से जुड़ी शिकायतों की नियमित समीक्षा कर रहे हैं और टीम को भी सक्रिय रूप से काम करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। नगर निगम का उद्देश्य है कि शहरवासियों को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं और उनकी समस्याओं का जल्द समाधान हो सके। इसी दिशा में निगम की टीमें लगातार काम कर रही हैं और आने वाले दिनों में भी जन समस्याओं के निस्तारण के लिए अभियान जारी रहेगा।

नंदिनी गौ-आश्रय स्थल में टीन-शेड निर्माण को मिली रफ्तार, निरीक्षण कर दिए समयबद्ध कार्य के निर्देश

अरुण मिश्रा

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। नगर निगम द्वारा संचालित नंदिनी गौ-आश्रय स्थल में गौवंश के लिए टीन-शेड निर्माण परियोजना को अब गति मिल गई है। गौवंश की बढ़ती संख्या और पर्याप्त छाया व्यवस्था के अभाव को देखते हुए समाजसेवी विशाल भारद्वाज ह्यगौपुत्र बजरंगीह्न द्वारा नगर निगम के समक्ष टीन-शेड निर्माण का प्रस्ताव रखा गया था। नगर निगम द्वारा प्रस्ताव को स्वीकृति मिलने के कुछ महीनों बाद अब निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है, जिससे गौ-आश्रय स्थल की व्यवस्थाओं में सुधार की उम्मीद जताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार नंदिनी गौ-आश्रय स्थल में बड़ी संख्या में गौवंश रखा गया है, जिसके लिए गर्मी, बारिश और ठंड से बचाव हेतु पर्याप्त शेड की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। इसी को ध्यान में रखते हुए समाजसेवी विशाल भारद्वाज ने नगर निगम के समक्ष टीन-शेड निर्माण का प्रस्ताव रखा था। प्रस्ताव पर निगम की मुहर लगने के बाद अब निर्माण कार्य को अमलीजामा पहनाया जा रहा है।

रविवार को उत्तर प्रदेश गौसेवा आयोग के संरक्षण में प्रदेश गोरक्षा दल के प्रशासनिक प्रमुख (गौसेवा गतिविधि) द्वारा गौ-आश्रय स्थल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया गया और संबंधित अधिकारियों से कार्य की स्थिति के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की गई। अधिकारियों ने निर्माण कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के निर्देश भी दिए।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने गौवंश के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि गौ-आश्रय स्थल में रहने वाले पशुओं के लिए छाया की समुचित व्यवस्था होना अत्यंत आवश्यक है, ताकि उन्हें गर्मी और बारिश से राहत मिल सके। इसके लिए टीन-शेड निर्माण कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा।

अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि गौ-आश्रय स्थल में गौवंश के संरक्षण और उनकी देखभाल के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं चरणबद्ध तरीके से विकसित की जाएंगी। इसमें साफ-सफाई, चारे की व्यवस्था, पानी की उपलब्धता और स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं को भी बेहतर बनाने की योजना शामिल है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि टीन-शेड बनने से गौवंश को गर्मी और बरसात से काफी राहत मिलेगी। साथ ही गौ-आश्रय स्थल की व्यवस्थाएं भी पहले की तुलना में अधिक व्यवस्थित और सुरक्षित हो सकेंगी। लोगों ने इस पहल को गौसेवा की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया है।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा, दो ट्रकों की टक्कर में 2 की मौत, 3 गंभीर घायल

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना ट्रॉनिका सिटी क्षेत्र में दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर सोमवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार से आ रहे दो ट्रक आमने-सामने टकरा गए, जिससे मौके पर ही दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों ट्रक तेज गति में थे। इसी दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने से दोनों वाहनों की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रकों के परखच्चे उड़ गए और आसपास अफरा-तफरी मच गई। हादसे की सूचना मिलते ही थाना ट्रॉनिका सिटी पुलिस मौके पर पहुंची और तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस की मदद से नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

नरेश कुमार कीर को राष्ट्रीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शामिल किया गया

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। महाराष्ट्र एनडीए का घटक दल रही राष्ट्रीय समाज पार्टी सुप्रीमों संस्थापक अध्यक्ष पूर्व कैबिनेट मंत्री (एम.एल.सी) मा महादेव जानकर साहब द्वारा राष्ट्रीय कार्यकारिणी कि बैठक में नवनिर्वाचित सदस्यों कि सूची जारी की गई। नरेश कुमार कीर को पार्टी में राष्ट्रीय अध्यक्ष(अनुसूचित जाति मोर्चा) के साथ-साथ राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यों में भी शामिल किया गया है।

साथ ही साथ आगामी चुनावों के मद्देनजर उत्तरप्रदेश की जिम्मेदारी नरेश कुमार के कंधों पर दी गई है। पार्टी के द्वारा जारी पत्र में नरेश कुमार का नाम राष्ट्रीय कमेटी सदस्य में आने के बाद गाजियाबाद व एनसीआर के पार्टी कार्यकताओं में जोश, उत्साह का माहौल है।

गाजियाबाद के पदाधिकारियों द्वारा नरेश कुमार कीर का वसुंधरा स्थित होटल चैरी में भव्य स्वागत के साथ बधाईयां दी गयी।

नई जिम्मेदारी मिलने पर नरेश कुमार ने कहा कि पार्टी ने मेरे ऊपर एक बार फिर विश्वास जताया है और मुझे एक और बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। मैं अपनी पूरी श्रद्धा और निष्ठा के साथ पार्टी द्वारा सौपी गयी इस जिम्मेदारी को निभाने की कोशिश करूंगा तथा पार्टी के हित में हमेशा कार्यरत रहूंगा। मा महादेव जानकर साहब कि विचारधारा, राष्ट्रीय समाज के उत्थान,सम्मान व हिस्सेदारी के लिए मेरी कोशिश रहेगी पार्टी का विस्तार और तेजी से हो तथा हमारी पार्टी जल्द ही राष्ट्रीय पार्टी बनकर आगे निकले। पार्टी को विस्तार देने के तमाम बिंदुओं पर भी काफी गहन चर्चा हुई। नरेश कुमार ने पार्टी एवं समस्त पदाधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा बहुत जल्द उत्तरप्रदेश में भी पार्टी की एक मजबूत कमेटी गठित कर दी जाएगी जो पार्टी के विचारों को आगे बढ़ाए जिससे पार्टी को और बल मिल सके।

इस अवसर पर शारदाशरण पाल, सोबरन फौजी, हरीश पाल,जयदीप पाल, रामभूल पाल, रत्नेश सिंह, चौ. सोमपाल, प्रमोद चौधरी, मुकेश पाल आदि मौजूद रहे।

लाजपतनगर और श्याम पार्क में जीडीए का बुलडोजर, अवैध निर्माण किए ध्वस्त

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद में अवैध निर्माण और अवैध कालोनियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने सोमवार को साहिबाबाद क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए कई अवैध निमार्णों को ध्वस्त कर दिया।

उपाध्यक्ष के निर्देश पर प्रभारी प्रवर्तन जोन-07 के नेतृत्व में लाजपतनगर और श्याम पार्क मेन क्षेत्र में यह अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान भूखण्ड संख्या डी-492, लाजपतनगर, साहिबाबाद पर स्टिल्ट में बनाए गए एक फ्लैट और सात दुकानों को तोड़ दिया गया। यह निर्माण के० राज लक्ष्मी द्वारा श्रीमती सुमन अग्रवाल के नाम से कराया गया था, जो बिना स्वीकृति के बनाया गया था। इसके अलावा भूखण्ड संख्या-07, श्याम पार्क मेन, साहिबाबाद में श्री नरेन्द्र कुमार और श्रीमती राजेश राघव द्वारा छत पर बनाए गए एक कमरे के अवैध निर्माण को भी ध्वस्त कर दिया गया। प्राधिकरण द्वारा पहले ही ध्वस्तीकरण के आदेश जारी कर दिए गए थे, लेकिन निर्माणकताओं की ओर से कोई संतोषजनक जवाब या दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। कार्रवाई के दौरान निर्माणकताओं ने विरोध भी किया, हालांकि मौके पर मौजूद प्राधिकरण पुलिस बल ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई जारी रखी। इस दौरान सहायक अभियंता, अवर अभियंता, प्रवर्तन जोन-07 का स्टाफ, प्राधिकरण पुलिस बल और प्रवर्तन दस्ता मौके पर मौजूद रहा। जीडीए अधिकारियों ने बताया कि अवैध निर्माण के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और आने वाले महीनों में ध्वस्तीकरण व सीलिंग की कार्रवाई तेज की जाएगी

बैंक के अंदर चली गोली: गार्ड ने मैनेजर को मारी गोली, इलाज के दौरान मौत

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना लोनी बॉर्डर क्षेत्र में स्थित पंजाब एंड सिंध बैंक में सोमवार को उस समय सनसनी फैल गई जब बैंक के गार्ड ने ही बैंक मैनेजर को गोली मार दी। गोली लगने से गंभीर रूप से घायल मैनेजर को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार बैंक के मैनेजर अभिषेक को बैंक के गार्ड रविन्द्र ने गोली मार दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार घायल मैनेजर को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। घटना के बाद आरोपी गार्ड फरार हो गया है। पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कई टीमों का गठन किया है और उसकी तलाश में दबिश दी जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस ने बताया कि मामले में तहरीर मिलने के बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी और घटना के कारणों की भी जांच की जा रही है।

स्कूलों में कराया जाएगा सिविल डिफेंस का प्रशिक्षण, मासिक बैठक में बनी रणनीति

अरुण मिश्रा

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। सिविल डिफेंस के कलेक्ट्रेट प्रभाग की पोस्ट-7 की मासिक बैठक का आयोजन डिविजनल वार्डन सुधीर कुमार की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में सिविल डिफेंस की गतिविधियों को मजबूत बनाने और आम नागरिकों विशेषकर स्कूली बच्चों को आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए प्रशिक्षित करने पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक के दौरान डिविजनल वार्डन सुधीर कुमार ने उपस्थित सभी वार्डनों को संबोधित करते हुए कहा कि सिविल डिफेंस पोस्ट की क्षमता बढ़ाने के लिए अधिक से अधिक फायर फाइटर्स की भर्ती कर उन्हें प्रशिक्षण दिलाना सभी वार्डनों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षित स्वयंसेवकों की संख्या बढ़ने से किसी भी आपदा या आपात स्थिति में बेहतर तरीके से राहत और बचाव कार्य किया जा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि अप्रैल माह से पहले अधिकांश स्कूलों में वार्षिक परीक्षाएं समाप्त हो जाएंगी और इसके बाद नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत होगी। ऐसे में यह एक अच्छा अवसर होगा कि अधिक से अधिक स्कूली बच्चों को सिविल डिफेंस का प्रशिक्षण दिया जाए। इससे बच्चे आग लगने, भूकंप या अन्य आपात स्थितियों में स्वयं को सुरक्षित रखने के साथ-साथ दूसरों की मदद करने में भी सक्षम बन सकेंगे। उन्होंने कहा कि बच्चों को कम उम्र में ही आपदा प्रबंधन और सुरक्षा के बारे में जानकारी देना बेहद जरूरी है, ताकि वे भविष्य में राष्ट्र सेवा में भी योगदान दे सकें। इस अवसर पर स्टाफ ऑफिसर अमित कुमार श्रीवास्तव ने सभी वार्डनों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने पोस्ट क्षेत्रों के सेक्टर का नक्शा तैयार कर जल्द से जल्द जमा कराएं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के ऐसे भवनों की जानकारी भी एकत्रित की जाए जिनमें बेसमेंट बने हुए हैं। आपातकालीन स्थिति में इन बेसमेंट का उपयोग सुरक्षा और राहत कार्यों के लिए किया जा सकता है। बैठक के अंत में पोस्ट वार्डन रेखा अग्रवाल ने सभी उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त किया। साथ ही हाल ही में आयोजित विभिन्न गतिविधियों में सहयोग करने वाले डिप्टी पोस्ट वार्डन पल्लवी शर्मा, मनोज कुमार गुप्ता, नीतू गर्ग, मधुर बाला और निखिल गर्ग को प्रशंसा स्वरूप प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। बैठक में उपस्थित सभी वार्डनों ने सिविल डिफेंस की गतिविधियों को और अधिक सक्रिय बनाने तथा समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प भी लिया।

युवा जोश से सराबोर 'स्प्रीएस्टा-2026', पहले दिन ही दिखा खेलों का रोमांच

कबड्डी, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, बैडमिंटन समेत कई खेलों में छात्रों का जोश और खेल भावना दिखी

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। एचआईएमटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में आयोजित तीन दिवसीय वार्षिक खेल महोत्सव 'स्प्रीएस्टा 2026इ का सोमवार को उत्साह और ऊर्जा से भरा भव्य आगाज हुआ। 16 से 18 मार्च तक चलने वाले इस आयोजन में देशभर के लगभग 65 प्रतिष्ठित संस्थानों और विश्वविद्यालयों की टीमें भाग ले रही हैं। इस खेल महोत्सव ने संस्थान के परिसर को खेल भावना, प्रतिस्पर्धा और उत्साह से भर दिया है। कार्यक्रम का शुभारम्भ फीता काटकर किया गया, जिसके बाद रंग-बिरंगे गुब्बारों के गुच्छों को आकाश में छोड़कर उत्सव की औपचारिक शुरूआत की गई। इस दौरान परिसर में मौजूद विद्यार्थियों, प्रतिभागियों और शिक्षकों ने जोरदार तालियों के साथ कार्यक्रम का स्वागत किया। उद्घाटन समारोह के साथ ही पूरे परिसर में उत्सव जैसा माहौल बन गया और प्रतिभागियों में प्रतियोगिताओं को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। स्प्रीएस्टा 2026 के पहले दिन विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें कबड्डी, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, लॉन्ग जंप, 100 मीटर दौड़, कैरम, शतरंज, बैडमिंटन और रस्साकशी जैसी प्रतिस्पधाएं शामिल रहीं। इन प्रतियोगिताओं में खिलाडियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का परिचय दिया। कई मुकाबले बेहद रोमांचक रहे, जहां खिलाडियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। दर्शकों ने भी खिलाडियों का उत्साहवर्धन करते हुए हर मुकाबले का भरपूर आनंद लिया। कबड्डी और बास्केटबॉल जैसे टीम खेलों में खिलाडियों के बीच जबरदस्त तालमेल और रणनीति देखने को मिली, वहीं 100 मीटर दौड़ और लॉन्ग जंप जैसे एथलेटिक इवेंट्स में प्रतिभागियों ने अपनी शारीरिक क्षमता और फुर्ती का शानदार प्रदर्शन किया। इन प्रतियोगिताओं ने पूरे आयोजन को रोमांच से भर दिया और मैदान में मौजूद दर्शकों की उत्सुकता भी लगातार बनी रही। इस अवसर पर एचआईएमटी ग्रुप के चेयरमैन एच. एस. बंसल ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं हैं, बल्कि यह व्यक्तित्व विकास का भी महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में टीम भावना, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है, जो उनके भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।